वर्ष : 15 अंक : 51 | प्रत्येक गुरुवार प्रकाशित | अनूपपुर 21 से 27 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2.00 | पृष्ठ 8 | Epaper-www.fatwasamachar.com

डाक पंजी-SDL-0019/2025 | RNI-MPHIN/2008/24599

फतवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ का लोकप्रिय समाचार पत्र

आपका विश्वास

सुविचार

समय का उत्तम उपयोग करना सीखें क्योंकि विश्व के ज्यादातर सफल मनुष्यों ने इसी का प्रयोग किया है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम पुष्कर सिंह धामी का हेलिकॉप्टर फंसा, धक्का देकर बाहर निकाला गया

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सोमवार को रुद्रपुर में एक युवा सम्मेलन के दौरान सुरक्षा संबंधी डर का सामना करना पड़ा। जैसे ही धामी का हेलीकॉप्टर हेलीपैड पर उतरा, नमी के कारण उसका अगला पहिया जमीन में फंस गया। घटना होने से पहले ही धामी हेलीकॉप्टर से उतर चुके थे। स्थिति का एहसास होने पर, पायलट ने तुरंत सुरक्षा कर्मियों को सूचित किया, जिन्होंने फिर हेलीकॉप्टर को जमीन से हटाने और पहिया को मुक्त करने का काम किया। हालांकि, ऐसे में सुरक्षा उपायों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कार्यक्रम में बोलते हुए, धामी ने कहा कि सिख समुदाय ने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जिनमें उत्तराखंड के नवर ों में शामिल श्री हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे सुविधा, श्री दरबार साहिब के लिए विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 (एफसीआरए) पंजीकरण सुविधा लंगर में टैक्स ख़त्म करने के साथ-साथ करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन भी शामिल है। धामी ने आगे कहा कि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार सिख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से नए अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है।

पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी प्रियंका गांधी?

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को गठबंधन की चौथी बैठक के दौरान पीएम मोदी के खिलाफ वाराणसी सीट से इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का नाम प्रस्तावित किया। 2019 में पीएम मोदी के खिलाफ वाराणसी सीट से प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी की चर्चा ने भी जोर पकड़ लिया, लेकिन जब ग्रैंड ओल्ड पार्टी ने हाई-प्रोफाइल सीट के लिए अजय राय को मैदान में उतारा तो इस पर विराम लग गया। बैठक के बाद, जब उनसे वाराणसी से प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि हम लोग सब कुछ नहीं बता सकते, जो बात हुई है। गठबंधन की चौथी बैठक में टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने भी इंडिया ब्लॉक के सदस्यों से 31 दिसंबर, 2023 तक सीट-बंटवारे फॉर्मूले को अंतिम रूप देने का आग्रह किया। सूत्रों ने कहा कि इस बात पर काफी हद तक सहमति बनी कि राज्य स्तर पर सीट-बंटवारे को दिसंबर के अंत तक और अंत में शीर्ष नेतृत्व स्तर पर जनवरी के दूसरे सप्ताह तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान, ममता बनर्जी ने राज्य के लिए लंबित केंद्रीय धन पर चर्चा करने के लिए बुधवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की।

वे बहुत सवाल उठाते हैं और अजीब व्यवहार करते हैं, विपक्षी सांसदों के निलंबन पर बोलीं हेमा मालिनी

नई दिल्ली। मौजूदा शीतकालीन सत्र के दौरान संसद के अंदर और बाहर चल रही अराजकता के बीच, भारतीय जनता पार्टी की सांसद हेमा मालिनी का एक वीडियो अब वायरल हो गया है, जहां वह कहती हैं कि विपक्षी दलों के 100 से अधिक सांसदों को निलंबित कर दिया गया है क्योंकि वे 'बहुत अधिक' प्रश्न पूछते हैं। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा से 78 सांसदों के निलंबन के साथ हुई क्योंकि विपक्ष ने 13 दिसंबर की संसद सुरक्षा उल्लंघन घटना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर हंगामा किया। एक दिन बाद, विपक्षी दलों के 49 और सांसदों को लोकसभा से निलंबित कर दिया गया, जिससे निलंबित कुल सांसदों की संख्या 141 हो गई। उसी पर मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए, मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि उन्हें निलंबित कर दिया गया क्योंकि वे 'बहुत सारे' सवाल पूछते हैं। उन्होंने कहा कि वे सवाल उठाते रहते हैं और अजीब व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। इसलिए उन्हें निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर उन्हें निलंबित किया गया है तो इसका मतलब है कि उन्होंने कुछ गलत किया है। संसद के नियमों के अनुरूप ही काम होना चाहिए। उन्होंने ऐसा नहीं किया और उन्हें निलंबित कर दिया गया है। इसमें कुछ भी ग़लत नहीं है, ये सही है। विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं और सांसदों ने लोकसभा एवं राज्यसभा से 140 से अधिक सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर बुधवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि सरकार 'विपक्ष मुक्त संसद' तथा 'एक पार्टी के शासन वाली व्यवस्था' चाहती है। संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा कई अन्य नेता शामिल हुए।

तीन नए क्रिमिनल लॉ बिल लोकसभा में पास: राजद्रोह कानून खत्म

मॉबलिंचिंग पर फांसी की सजा

नई दिल्ली। तीन नए क्रिमिनल लॉ बिल लोकसभा में पास हो गए हैं। अब इसे राज्यसभा में रखा जाएगा। वहां से पास होने के बाद इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। इसे पेश करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- अंग्रेजों के समय का राजद्रोह कानून खत्म किया गया है। नाबालिग से रेप और मॉबलिंचिंग जैसे क्राइम में फांसी की सजा दी जाएगी।

बिल पर लोकसभा में अमित शाह ने कहा कि अंग्रेजों का बनाया राजद्रोह कानून, जिसके चलते तिलक, गांधी, पटेल समेत देश के कई सेनानी कई बार 6-6 साल जेल में रहे। वह कानून अब तक चलता रहा।

मैंने राजद्रोह की जगह उसे देशद्रोह कर दिया है। क्योंकि अब देश आजाद हो चुका है, लोकतांत्रिक देश में सरकार की आलोचना कोई भी कर सकता है। अगर कोई देश की सुरक्षा, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का काम करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

अगर कोई सशस्त्र विरोध करता है, बम धमाके करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी, उसे आजाद रहने का हक नहीं, उसे जेल जाना ही पड़ेगा। कुछ लोग इसे अपनी समझ के कपड़े पहनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन मैंने जो कहा उसे अच्छी तरह समझ लीजिए। देश का विरोध करने वाले को जेल जाना होगा। पहले रेप की धारा 375, 376 थी, अब जहां से अपराधों की बात शुरू होती है, उसमें धारा 63, 69 में रेप को रखा गया है। गैंगरेप को भी आगे रखा गया है। बच्चों के खिलाफ अपराध को भी आगे लाया गया है। मर्डर 302 था, अब 101 हुआ है। 18 साल से कम उम्र की बच्ची से रेप में आजीवन कारावास और मौत की सजा का प्रावधान है। गैंगरेप के दोषी को 20 साल तक की सजा या जिंदा रहने तक जेल।

गैर इरादतन हत्या को कैटेगिरी में बांटा

प्रस्तावित कानून में गैर इरादतन हत्या को दो हिस्सों में बांटा गया है। अगर गाड़ी चलाते वक्त हादसा होता है, फिर आरोपी अगर घायल को पुलिस स्टेशन या अस्पताल ले जाता है तो उसे कम सजा दी जाएगी। हिट एंड रन केस में 10 साल की सजा मिलेगी।

मॉब लिंचिंग में फांसी की सजा होगी। स्नैचिंग के लिए कानून नहीं था, अब कानून बन गया है। किसी के सिर पर लाठी मारने वाले को सजा तो मिलेगी, इससे ब्रेन डेड की स्थिति में आरोपी को 10 साल की सजा मिलेगी।

शाह ने कहा- नए कानून में अब पुलिस की भी जवाबदेही तय होगी। अब कोई गिरफ्तार होगा तो पुलिस उसके परिवार को जानकारी देगी। पहले यह जरूरी नहीं था। किसी भी केस में 90 दिनों में क्या हुआ, इसकी जानकारी पुलिस पीड़ित को देगी।

आरोपी की गैरमौजूदगी में भी ट्रायल होगा

देश में कई केस लटके हुए हैं, बॉम्बे ब्लास्ट जैसे केसों के आरोपी पाकिस्तान जैसे देशों में छिपे हैं। अब उनके यहां आने की जरूरत नहीं है। अगर वे 90 दिनों के भीतर कोर्ट के सामने पेश नहीं होते हैं तो उसकी गैरमौजूदगी में ट्रायल होगा।

आधी सजा काटने पर मिल सकती है रिहाई

गंभीर मामलों में आधी सजा काटने के बाद रिहाई मिल सकती है। जजमेंट सालों तक नहीं लटकाया जा सकता। मुकदमा समाप्त होने के बाद जज को 43 दिन में फैसला देना होगा। निर्णय देने के 7 दिन के भीतर सजा सुनानी होगी। पहले सालों तक दया याचिकाएं दाखिल की जाती थीं।

दया की याचिका दोषी ही कर सकता है पहले एनजीओ या कोई संस्थान ऐसी याचिकाएं दाखिल करता था। सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद 30 दिन के भीतर ही दया याचिका दाखिल की जा सकेगी। जो देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा को खतरे में डालकर भय फैलाने का काम करता है, उसे आतंकवादी माना जाएगा।

मिमिक्री मामले बोले राहुल गांधी- अपमान किसने और किसका किया?

नई दिल्ली। संसद परिसर में तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल करने को लेकर विवाद के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि संबंधित विपक्षी सदस्य को सदन से 'बाहर निकाल दिया गया' और वीडियो उनके निजी फोन पर रिकॉर्ड किया गया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि किसने अपमान किया और कैसे? सांसदों को बाहर निकाल दिया गया, मैंने वीडियो बनाया, लेकिन यह मेरे फोन पर है। मीडिया (क्लिप) दिखा रहा है। अपने बयान में राहुल ने कहा कि सांसद वहां बैठे थे, मैंने उनका वीडियो शूट किया। मेरा वीडियो मेरे फ़ोन पर है। मीडिया इसे दिखा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसी ने कुछ नहीं कहा। हमारे 150 सांसदों को (सदन से) बाहर निकाल दिया गया है लेकिन मीडिया में उस पर कोई चर्चा नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि अडानी पर कोई चर्चा नहीं, राफेल पर कोई चर्चा नहीं, बेरोजगारी पर कोई चर्चा नहीं। हमारे सांसद निराश होकर बाहर बैठे हैं लेकिन आप उस (मिमिक्री) पर चर्चा कर रहे हैं। वहीं, उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मिमिक्री की भी जिक्र किया और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आप संसद में नेताओं को वाद-विवाद के लिए भेजते हैं।

कुछ लोगों ने संसद में वाद-विवाद की जगह जोकर का काम पकड़ लिया है, राहुल गांधी पर बरसे नड्डा

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बस्ती में आयोजित सांसद खेल महाकुंभ के शुभारंभ करने के लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज पहुंचे थे। अपने संबोधन में जेपी नड्डा ने कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस खेल महाकुंभ के समापन कार्यक्रम में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पिछले साढ़े 9 साल में नए भारत के दर्शन हुए हैं और उस नए भारत का प्रतिबिंब मुझे यहां नौजवानों में दिख रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर स्थान-स्थान पर खेल महाकुंभ आयोजित हो रहा है। मुझे खुशी है कि 1 लाख लाख विद्यार्थियों और 50 हजार खिलाड़ियों के क्रम से प्रारंभ करते हुए आज साढ़े 3 लाख खिलाड़ी और लगभग साढ़े 4 लाख विद्यार्थी इस महाकुंभ में शामिल हुए हैं। इस दौरान उन्होंने उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मिमिक्री की भी जिक्र किया और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आप संसद में नेताओं को वाद-विवाद के लिए भेजते हैं। लेकिन कल कुछ लोगों ने संसद में वाद-विवाद की जगह जोकर का, नकल करने का काम पकड़ लिया। कल एक सांसद भारत के उप-राष्ट्रपति की नकल संसद के प्रांगण में ही कर रहा था और कांग्रेस नेता राहुल गांधी उसकी वीडियो बना रहा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जिसके बारे में कहा जाता है कि इसका इतिहास 100 वर्ष से भी पुराना है। उस कांग्रेस का नेता किसान पुत्र, जाट पुत्र और ओबीसी के प्रतिनिधि और उप राष्ट्रपति के संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति की तौहीन कर रहा है। नड्डा ने कहा कि ये लोग कहते हैं कि मोदी हटाओ, मोदी हटाओ। जबकि मोदी जी कहते हैं कि देश आगे बढ़ाओ, देश को आगे ले जाओ। इसलिए मोदी हटाने वालों को 2024 में आपको हटा देना है और देश का विकास करने वाले मोदी जी को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि देश को चलाने के लिए नेतृत्व, नीति, नियम और कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

जगदीप धनखड़ की मिमिक्री पर राष्ट्रपति ने जताई निराशा, बोलीं- अभिव्यक्ति मर्यादा के दायरे में हो

नई दिल्ली। मिमिक्री घटना पर बढ़ते विवाद के बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद परिसर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को 'अपमानित' करने के तरीके पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को खुद को व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति 'गरिमा और शिष्टाचार के मानदंडों' के भीतर होनी चाहिए। राष्ट्रपति की यह निंदा कुछ सांसदों के निलंबन के खिलाफ संसद की सीढ़ियों पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी द्वारा धनखड़, जो राज्यसभा के सभापति भी हैं, की नकल करने के एक दिन बाद आई है। राष्ट्रपति द्वारा एक्स पोस्ट में लिखा गया है कि जिस तरह से हमारे सम्मानित उपराष्ट्रपति को संसद परिसर में अपमानित किया गया, उसे देखकर मुझे निराशा हुई। निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपनी अभिव्यक्ति के लिए स्वतंत्र होना चाहिए, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति गरिमा और शिष्टाचार के मानदंडों के भीतर होनी चाहिए। यह संसदीय परंपरा रही है जिस पर हमें गर्व है और भारत के लोग उनसे इसे कायम रखने की उम्मीद करते हैं।

यूनुस खान और ज़ुबैर खान सहित 16 नव निर्वाचित विधायकों ने संस्कृत में किया शपथ ग्रहण

नई दिल्ली। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के करीबी सहयोगी यूनुस खान को दो दिवसीय राजस्थान विधानसभा सत्र के दौरान संस्कृत में शपथ लेते देखा गया। भाजपा द्वारा टिकट नहीं दिए जाने के बाद यूनुस खान ने डीडवाना से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। उन्होंने 70,952 वोट हासिल कर कांग्रेस प्रत्याशी चेतन सिंह चौधरी को 2,392 वोटों से हराया। इसी तरह बीजेपी प्रत्याशी जीतेंद्र सिंह को 22138 वोटों से करारी हार मिली। चुनाव नतीजों के बाद राजस्थान की 16वीं विधानसभा का पहला सत्र बुधवार को बुलाया गया। यूनुस के साथ कांग्रेस विधायक जुबैर खान ने भी संस्कृत में शपथ ली।

इन विधायकों ने ली संस्कृत में शपथ : संस्कृत में शपथ लेने वाले विधायककों में पोकरण के विधायक महंत प्रतापुरी, हवामहल-जयपुर के विधायक बाल मुकुंद आचार्य, शेरगढ़ के विधायक बाबू सिंह राठौड़, आहोर के विधायक छगन सिंह राजपुरोहित, सिविल लाइंस जयपुर के विधायक गोपाल शर्मा, फलौदी के विधायक पब्बाराम बिश्नोई, अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी, मांडल के विधायक उदयलाल भडाना शामिल हैं। इसके अलावा कामाँ के विधायक नौक्षम चौधरी, जालोर के विधायक जोगेश्वर गर्ग, गढ़ी के विधायक कैलाश चंद्र मीणा, बीकानेर पश्चिम के विधायक जेठानंद व्यास, सुमेरपुर के विधायक जोराराम कुमावत और राजसमंद की विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, डीडवाना से निर्दलीय विधायक यूनुस खान और अलवर के रामगढ़ से जीते विधानसभा पहुँचे कॉन्ग्रेस के विधायक जुबैर खान के नाम हैं।

मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सदन का विशेष सत्र बुलाया जाएगा: शिंदे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट की समीक्षा के बाद मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए आवश्यकता पड़ने पर अगले साल फरवरी में राज्य विधानमंडल का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। शिंदे ने यह भी कहा कि उन व्यक्ति यों के सगे परिजनों को कुनबी (अन्य पिछड़ा वर्ग) जाति प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए जाएंगे जिनके पास पहले से ही इस प्रकार के दस्तावेज हैं। इस बीच, मराठा समुदाय के आरक्षण की मांग कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे महाराष्ट्र सरकार को दी गई 24 दिसंबर की समय सीमा पर अडिग रहते हुए कहा कि यदि इस समय सीमा से पहले आरक्षण नहीं दिया जाता तो वह प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने जालना जिले के अंतरवाली सारथी गांव में कहा, ''हम आरक्षण का फरवरी तक इंतजार नहीं करेंगे।

नरेंद्र सिंह तोमर निर्विरोध चुने गए मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष

भोपाल। मध्य प्रदेश की 16वीं विधानसभा के अध्यक्षनरेंद्र सिंह तोमर बुधवार को निर्विरोध चुन लिए गए। सदन के नेता डा.मोहन यादव, शिवराज सिंह चौहान, कैलाश विजयवर्गीय, डा. राजेन्द्र कुमार सिंह, भूपेन्द्र सिंह और जयवर्द्धन सिंह ने प्रस्ताव रखा गया, जिसका अन्य सदस्यों ने समर्थन किया। वरिष्ठ नेता उन्हें आसंदी तक लेकर आए और फिर उन्होंने सदन की कार्यवाही का संचालन किया। सदस्यों ने तोमर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए नए दायित्व के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। सर्वसम्मति से चुने जाने के बाद उन्होंने सदन के वरिष्ठतम सदस्य गोपाल भार्गव द्वारा सामयिक अध्यक्ष के रूप कार्यवाही के सफल संचालन को लेकर आभार प्रकट जताया। तोमर ने कहा कि पंडित कुंजीलाल दुबे से लेकर गिरीश गौतम तक इस लंबी यात्रा में मेरे से पूर्व अध्यक्षों ने अनेक प्रकार के मानदंड, परंपराएं स्थापित की हैं। तोमर ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में मेरी ईमानदार प्रयास होगा कि मैं आपकी अपेक्षा के अनुसार अपने दायित्व का निर्वहन कर सकूं। आप सबने मेरे बारे में अपने विचार व्यक्त किए। मुझे नहीं मालूम कि मैं उन विचारों के योग्य हूं या नहीं लेकिन मैं इतना जरूर जानता हूं कि मेरी यह जवाबदेही है कि आपने जो भाव मेरे लिए प्रकट किए हैं उनका सम्मान करूं और उसको निभाने की पूरी कोशिश करूं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की यह खूबसूरती है कि पक्ष है तो विपक्ष है और पक्ष के बिना विपक्ष अधूरा है और विपक्ष के बिना पक्ष अधूरा है। पक्ष-विपक्ष लोकतंत्र के दो पाहिए हैं और दोनों के मजबूती के साथ कदम से कदम, कंधे से कंधा मिलाकर चलने से हम सभी लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं।

सर्दी

शीतलहर को लेकर स्वास्थ्य विभाग की एडवायजरी

भोपाल में रात का टेम्प्रेचर 8.8, सर्द हवा से ठिठुरन बढ़ी

भोपाल। राजधानी भोपाल सर्द हवाओं के आगोश में है। मंगलवार-बुधवार की रात में 4क्यद्व प्रतिघंटे की रफ्तार से सर्द हवाएं चली। वहीं, बुधवार को भी ठंड का असर है। न्यूनतम तापमान 8.8ए पर पहुंच गया है। उत्तर भारत से बफीर्ली हवाओं की वजह से ठिठुरन बनी हुई है। कंपकंपा देने वाली ठंड के चलते स्वास्थ्य विभाग ने कोल्ड वेव यानी शीतलहर चलने की स्थिति में उससे बचने के लिए एडवायजरी जारी की है। जिसमें लोगों को पांच तरह की बीमारियों को लेकर सतर्क रहने को कहा गया है।

मौसम केंद्र, भोपाल के अनुसार अगले दो दिन यानी 20-21 दिसंबर तक शहर में ठंड का असर अधिक रहेगा। दिन के साथ रात में भी ठंड रहेगी। 22-23 दिसंबर को वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोप) की वजह से बादल छा सकते हैं। इससे दिन में ठंड ज्यादा रहेगा, जबकि रात में टेम्प्रेचर में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। दिसंबर का आखिरी सप्ताह भी कड़ाके की ठंड वाला ही रहेगा। बुधवार को तेज धूप निकली, लेकिन सर्द हवाओं से ठिठुरन बढ़ी हुई है।

स्वास्थ्य विभाग ने इन बीमारियों को लेकर एडवाजयरी : सर्दी में सर्दी-जुकाम, बुखार, निमोनिया, त्वचा रोग, फेफड़ों में संक्रमण, हाईपोथर्मिया, अस्थमा, एलर्जी होने की आशंका बढ़ जाती है। हाईपोथर्मिया एक खतरनाक अवस्था है। जिसमें तत्काल डॉक्टर से सलाह लें।

शीतलहर के प्रभाव से त्वचा पीली, सख्त और संवेदन शून्य हो सकती है। साथ ही लाल फफोले पड़ सकते हैं। यह एक गंभीर स्थिति होती है, जिसे गैंगरीन भी कहा जाता है। यह अपरिवर्तनीय होती है।

संपादकीय

संसद में फैलाये गये धुएं पर हो रही राजनीति से साजिश की दुर्गंध आ रही है

विपक्ष का रवैया आरोपियों के हौसले बढ़ाने वाला है, वे आरोपियों पर नरम और सरकार पर गर्म हो रहे हैं। हालांकि यह भी सर्वथा सत्य है कि देश की संसद पर इस प्रकार का कृत्य सरकार द्वारा प्रायोजित सुरक्षा पर भी अनेक प्रकार के सवाल स्थापित करता है।

लोकतंत्र में सरकार की कार्यप्रणाली से सहमत या असहमत होना एक जायज प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है। रचनात्मक विरोध होना लोकतंत्र को और भी अधिक मजबूत बनाने का कार्य करता है। लेकिन अभी हाल ही में लोकसभा के अंदर जिस प्रकार से कुछ लोगों ने विरोध किया, उसे लेकर कई प्रकार के सवाल भी उठ रहे हैं। तथ्यात्मक बात यह है कि विपक्षी राजनीतिक दलों ने आरोपियों पर कार्यवाही के बजाय सरकार को निशाने पर लिया है। हालांकि यह सच भी है कि सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की होती है। इसलिए सरकार की ओर से इस मामले जिम्मेदारी वाला व्यवहार किया जाना चाहिए, लेकिन विपक्ष का रवैया भी देश हित का होना चाहिए। क्योंकि नाकामी को लेकर राजनीति करना देश घातक होती है। देश के प्रति जिम्मेदारी सभी की है। यहां सुरक्षा में चूक तो है ही, पर आरोपियों का व्यवहार और तरीका भी पूरी तरह से अनुचित ही था।

वर्तमान में देश की सभी समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए केंद्र सरकार को निशाने पर लेना एक आम बात होती जा रही है। इसके लिए राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता की मर्यादाओं को भी लांघने का कृत्य भी ज्यादा कदा दिखाई देता है। यह बात सही है कि विविधता वाले भारत देश में कोई एक बात सबको सही लगे, यह हो ही नहीं सकता, लेकिन लोकतंत्र यही कहता है कि उस बात को चाहने वाले अधिक हैं तो बड़ी खुशी के लिए छोटे दुख को तिरोहित कर देना चाहिए। व्यक्तिगत स्वार्थ व्यक्ति को अधिकांशतः गलत मार्ग पर ही ले जाने के लिए प्रेरित करता है। व्यक्तिगत स्वार्थ के वशीभूत होकर उठाया गया कदम कुछ हद तक सांत्वना दी सकता है, लेकिन जिससे अधिकांश समाज को लाभ मिलता है, वह आने वाले समय में हमारे लिए भी सकारात्मक प्रमाणित होता है।

विपक्ष का रवैया आरोपियों के हौसले बढ़ाने वाला है, वे आरोपियों पर नरम और सरकार पर गर्म हो रहे हैं। हालांकि यह भी सर्वथा सत्य है कि देश की संसद पर इस प्रकार का कृत्य सरकार द्वारा प्रायोजित सुरक्षा पर भी अनेक प्रकार के सवाल स्थापित करता है। विपक्ष की ओर से उठाए जाने वाले सवाल जायज हैं, लेकिन सुरक्षा के मुद्दे को राजनीतिक रूप से उठाना अत्यंत गंभीर है। विपक्षी दल के सांसद भी देश की संसद का हिस्सा हैं, इसलिए उनकी भी भारत की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जिम्मेदारी कम नहीं होती। सरकार के हर कदम की आलोचना करना मात्र ही राजनीति नहीं होती। राजनीति में देश भाव दिखना चाहिए।

आज देश का राजनीतिक वातावरण एक प्रकार से प्रदूषित जैसा दिखाई देता है। देश में इस राजनीतिक प्रदूषण के लिए हर राजनीतिक दल जिम्मेदार है। क्योंकि आज के राजनीतिक दल एक दूसरे को नीचा दिखाने और स्वयं को स्थापित करने की राजनीति करते दिखाई देते हैं।

वास्तविकता यह है कि इस प्रकार की राजनीति किसी भी प्रकार से देश हितैषी नहीं कही जा सकती, लेकिन सवाल यह भी है की संसद की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए कुछ लोग असंसदीय हरकत कर देते हैं। यह घटना सरकार के सुरक्षा इंतजामों पर गहरे सवाल अंकित करती है। अगर विपक्षी दल सरकार के गृह मंत्री पर सवाल उठाते हैं तो इसमें गलत क्या है। गृह मंत्री को जवाब देना ही चाहिए। क्योंकि गृहमंत्री जवाब नहीं देंगे तो कौन देगा? यहां पर सवाल यह भी आता है कि अगर गृह मंत्री जवाब देने के लिए आते हैं तो क्या विपक्ष उनको सुनने को तैयार होगा? यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है कि कई बार विपक्षी दल चर्चा से भागे हैं। हालांकि सुरक्षा बलों ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार होने वाले आरोपियों से पूछताछ हो रही है।

इस घटना को चाहे कुछ भी रूप दिया जाए, लेकिन इतना अवश्य कहा जा सकता है कि यह सभी मोदी सरकार के विरोधी हैं। विपक्षी दल इन आरोपियों के बारे में यह वकालत करते दिखते हैं कि वह बेरोजगारी के कारण मोदी सरकार से दुखी थे, और वे सरकार के विरोध में आक्रोश व्यक्त कर रहे थे। परंतु विपक्षी दलों को यह भी समझना चाहिए कि क्या आक्रोश व्यक्त करने का यह तरीका ठीक था? इसका प्रथम दृष्टया उत्तर यही होगा कि विरोध करने का स्थान संसद नहीं होना चाहिए। जैसे विरोध के अन्य आंदोलन होते हैं, वैसे ही लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना चाहिए। यहां एक सवाल यह भी आ रहा है कि जो विरोध करने वाले हैं, उनको संबल कौन दे रहा है? क्या भाजपा के वे सांसद उनको संबल दे रहे हैं, जिन्होंने उनका पास बनवाने में सहयोग किया, या फिर यह भी विरोधियों की साजिश का हिस्सा है। क्योंकि एक सांसद अपनी ही सरकार के विरोध करने वालों को इस प्रकार का कृत्य करने की अनुमति नहीं दे सकता। और अगर यह सच है तो भाजपा के लिए और भी गंभीर बात है।

संसद में हुई घटना के निहितार्थ कुछ भी हों, लेकिन सुरक्षा का विषय कभी राजनीतिक नहीं होना चाहिए। आरोपियों की कार्यवाही के बाद लोकसभा में जिस प्रकार का दृश्य दिखाई दिया, उससे एक भय पैदा हुआ। सांसद इधर उधर भागने लगे। कुल मिलाकर आतंक की स्थिति निर्मित हो गई थी। यह एक प्रकार से सुरक्षा बलों की नाकामी ही थी। हालांकि यह और भी बड़ी घटना हो सकती थी, क्योंकि आरोपी जिस प्रकार से संसद के अंदर पहुंचने में सफल हो गए, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे ही खतरनाक इरादों वाले भी पहुंच सकते थे। इसके बाद फिर वैसा ही दृश्य उपस्थित होने में देर नहीं लगती, जो पूर्व में 13 दिसंबर को दिखाई दिया। यहां सवाल यह भी है कि आरोपियों ने इसी दिन को क्यों चुना? क्या इसके तार भी उस घटना से जुड़े हैं। इस बात की जांच की जानी चाहिए। खैर... जो भी हो घटना को हल्के में नहीं लेना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष को भी इसकी गंभीरता समझना चाहिए। क्योंकि यह सब सुनियोजित तरीके से किया गया था। नारे लगाना और स्मोक बम फोड़ना उस स्थान पर सामान्य बात नहीं है, जहां ऐसा करना प्रतिबंधित हो। इस घटना को देश मानस के हिसाब से देखना चाहिए, राजनीतिक दृष्टि से नहीं।

-सुरेश हिंदुस्तानी (लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं)
(उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं.)

भारतीय संसद और अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था में चूक को रेखांकित करना ज़रूरी

वैश्विक स्तरपर हाई प्रोफाइल सुरक्षा व्यवस्था में चूक पर साझा मंथन समय की मांग

> अगर हम इसके पूर्व भी अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था में चुकी करें तो, बीते साल एक प्राइवेट हवाई जहाज भूल से बाइडेन के डेलावेयर के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया था, ऐसे में उस समय भी सुरक्षा की दृष्टि से राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को व्हाइट हाउस से बाहर निकाल लिया गया था।

वैश्विक स्तरपर आज पूरी दुनियां में कुछ ऐसे कुशल व्यक्तित्व हैं जो पूरी मानव जाती प्रजाति के कल्याण करने के नेतृत्व में दिग्गज है, जिसमें भारत भी शामिल है। स्वाभाविक रूप से ऐसे व्यक्तित्व के दुश्मन पूरी दुनियां में कहीं भी हो सकते हैं विशेष रूप से उन व्यक्तियों के घरेलू देश में तो इसकी संभावना अधिक है इसका ताजा उदाहरण हमने 13 दिसंबर 2023 को भारतीय संसद में तथाकथित सुरक्षा व्यवस्था में चूक का अंजाम और आज दिनांक 18 दिसंबर 2023 को अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था में चूक का मामला आया है। वैसे तो इसके पूर्व भी भारत अमेरिका सहित अनेको देशों में सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक होती रही है, परंतु वर्तमान समय में तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी और विज्ञान के चलते खतरों की संभावनाएं भी बढ़ गई है और उनका विशाल प्रभाव भी बढ़ गया है, जिसे हम चमगादड़ से कोविड मामला भी देख चुके हैं इसलिए आज पूरी दुनियां में कुशल नेतृत्व के मानवता कल्याण में सहयोगी दिग्गज व पूरी दुनियां के लिए उस महत्वपूर्ण व्यक्तित्व की सुरक्षा को अब उस देश तक सीमित नहीं बल्कि वैश्विकस्तर पर मंथन करने के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन करना जरूरी है हो गया है ताकि सुरक्षा की नई तकनीक सुझाव कार्यक्रमों का आदान-प्रदान किया जा सके। चूंकि अब वह कुशल नेतृत्व दिग्गज नेता सारे विश्व की बौद्धिक पूंजी है, क्योंकि उनके कुशल नेतृत्व से पूरी दुनियां को लाभ हो रहा है जिसे हम कोविड महामारी के समय में महसूस कर चुके हैं, इसीलिए चूंकि भारत और अमेरिका में आम चुनाव 2024 में होना निश्चित है, इसीलिए भारतीय संसद और अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में चूक को रेखांकित कर मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वैश्विक स्तरपर हाई प्रोफाइल सुरक्षा व्यवस्था में चूक पर साझा मंथन समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम 13 दिसंबर 2023 को भारतीय संसद में सुरक्षा व्यवस्था में चुकी करें तो, देश की संसद में सुरक्षा की बड़ी चूक का मामला सामने आया है। यहां दो युवकों ने किसी तरह संसद में एंट्री की और सांसदों के बीच दर्शक दीर्घा से छलांग लगा दी, इससे लोकसभा में अफरातफरी का माहौल हो गया। इस मामले का वीडियो सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि सदन में धुआं उड़ रहा है और घटना के बीच सांसद हड़बड़ाकर भाग रहे हैं। कूदता फांदता युवक, धुआं-धुआं सदन और हड़बड़ाकर भागते सांसद, रोंगटे खड़े कर देने वाला है। जिसमें देखा जा सकता है कि दो लोग दर्शक दीर्घा से अचानक कूदकर सांसदों के बीच पहुंच गए। जिन दो युवकों ने सुरक्षा घेरे का उल्लंघन किया है, कनस्तर से जो धुआं निकल रहा था, वो जहरीला भी

हो सकता था। यह सिक्योरिटी ब्रीच का गंभीरमामला है, खासकर 13 दिसंबर को, जिस दिन 2001 में संसद पर हमला हुआ था। लोकसभा में सिक्योरिटी ब्रीच मामले में एक सांसद ने कहा कि निश्चित रूप से यह बड़ी खामी है। जब पहला व्यक्ति कूदा तो हमें लगा कि वह गिर गया होगा, लेकिन जब दूसरा व्यक्ति भी कूदकर आ गया तो हम सभी सतर्क हो गए। उस शख्स ने अपना जूता खोलकर कुछ बाहर निकालने की कोशिश की, जिसके बाद धुआं फैलने लगा।इस मामले में कार्रवाई की जाएगी। स्पीकर और जिम्मेदार लोग इस पर फैसला लेंगे। यह घटना हुई तो रक्षा मंत्री भी सदन में पहुंचे उसके हाथ में कुछ था, जिससे पीला धुआं निकल रहा था।लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि शून्यकाल के दौरान हुई घटना की गहनता से जांच की जा रही है,दिल्ली पुलिस को भी जरूरी निर्देश दिए गए हैं। प्राथमिक जांच में पता चला है कि यह सिर्फ धुआं था, जिसको लेकर चिंता करने जैसी कोई बात नहीं है। इस मामले में ।लोकसभा में विपक्ष के नेता कहा कि आज ही हमने अपने उन बहादुर जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की,जिन्होंने संसद हमले के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी और आज ही सदन के अंदर ये घटना हो गई। ये सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी खामी है। सभी सांसदों ने निडर होकर दोनों युवकों को पकड़ लिया, लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि जब यह सब हुआ तो सुरक्षा अधिकारी कहां थे? दिल्ली पुलिस के सूत्रों का कहना है कि घटना की तस्दीक की जा रही है, सुरक्षा घेरा तोड़ने वालों से पूछताछ की जा रही है कि वे यहां तक कैसे पहुंचे और संसद आने का पास उन्हें किसने दिया। पता लगाया जा रहा है कि संसद में कूदने वालों से किसका क्या संबंध है। इस मामले में कई एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। इसी मामले को लेकर शीत सत्र में जोरदार हंगामा हो रहा है और मामले पर गृह मंत्री के बयान की मांग की जा रही है।

साथियों बात अगर हम 18 दिसंबर 2023 को अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था में चुकी करें तो उनके काफिले से एक तेज रफ्तार कार टकरा गई। अचानक हुई इस घटना के बाद यूएस प्रेसिडेंट की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने कार चालक को घेर लिया और उस पर बंदूकें तान दीं। हादसे के समय जो बाइडेन की पत्नी जिल बाइडेन भी उनके साथ थीं। हालांकि, इस घटना में बाइडेन और उनकी पत्नी को किसी तरह की चोट नहीं लगी है। मीडिया के मुताबिक रविवार को जो बाइडेन का काफिलाडेलावेयर में उनके कैंपेन मुख्यालय केबाहर खड़ा था। बाइडेन काफिले में शामिल कार में सवार होने ही जा रहे थे कि इसी बीच बाइडेन से करीब 40 मीटर दूर चौराहे पर उनके काफिले में शामिल एसयूवी से एक सेडान कार टकरा गई। कार के टकराने के बाद जोरदार धमाका हुआ। अचानक हुई इस घटना से बाइडेन की सुरक्षा में तैनात सभी सुरक्षाकर्मी चौकन्ने हो गए और अमेरिकी राष्ट्रपति को तुरंत दूसरे वाहन में बैठाकर वहां से रवाना कर दिया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि राष्ट्रपति और प्रथम महिला दोनों ठीक हैं। आगे के सवाल-जवाब अमेरिकी सीक्रेट सर्विस कर रही है। दरअसल, डेलावेयर में कैंपेन मुख्यालय के बाहर राष्ट्रपति जो बाइडेन अपनी पत्नी जिल बाइडेन के साथ कर्मचारियों के साथ रात्रिभोज करने पहुंचे थे, यहां पत्रकारों ने बाइडेन से सवाल करने खत्म किए ही थे कि अचानक वहां मौजूद सभी लोगों ने जोरदार धमाके की आवाज सुनी। हादसा जानकारी के मुताबिक हादसे को अंजाम देने वाली कार सिल्वर रंग की थी, उसकी नंबर प्लेट पर डेलावेयर का लोकल नंबर ही दर्ज था। हादसे के बाद जब सुरक्षा कर्मियों ने कार को घेरा तो चालक ने तुरंत अपने हाथ ऊपर कर लिए इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने राष्ट्रपति को एक दूसरे वाहन में बिठाया और उन्हें विलमिंगटन शहर की इमारत से दूर ले जाया गया। बताया गया है कि अपने कैंपेन ऑफिस से निकलने के बाद राष्ट्रपति और प्रथम महिला ने कर्मचारियों के साथ डिनर किया था। ऐसे में काफी लोग यहां जमा थे,तभी अचानक एक कार आकर काफिले से भिड़ गई। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत ही इस कार को घेर लिया और वहां से ले गए। बता दें अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं।ऐसे में सभी संभावित कैंडिडेट चुनाव की तैयारियों में जुटने लगे हैं। बाइडेन भी 2024 के लिए चुनाव अभियान मुख्यालय का दौरा करने पहुंचे थे। बाइडेन और उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी एक बार फिर से अमेरिका की सत्ता में लौटने की कोशिश में है। वहीं दूसरी ओर रिपब्लिकन पार्टी की ओर से डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं। दोनों ओर से दौरे करने और रैलियां आयोजित करने का काम भी शुरू हो गया है।

साथियों बात अगर हम इसके पूर्व भी अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था में चुकी करें तो, बीते साल एक प्राइवेट हवाई जहाज भूल से बाइडेन के डेलावेयर के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया था, ऐसे में उस समय भी सुरक्षा की दृष्टि से राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को व्हाइट हाउस से बाहर निकाल लिया गया था। घटना के बाद बाइडेन के परिवार को रेहोबोथ बीच स्थित घर में शिफ्ट कर दिया गया था।इससे पहले सितंबर में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए राष्ट्रपति बाइडन की सुरक्षा में चूक देखने को मिली थीदरअसल बाइडन के काफिले में शामिल एक कार को दूसरे यात्री को पहुंचाते हुए देखा गया था। कार में होटल और प्रगति मैदान में प्रवेश करने के लिए पास लगे थे, जिसे देखते हुए सुरक्षाकर्मियों ने कार को रोका।पूछताछ के बाद पता चला कि कार को आईटीसी मौर्या होटल से प्रगति मैदान जाना था, लेकिन इससे पहले चालक गाड़ी एक अन्य यात्री को लेने के लिए इस्तेमाल करने लगा था। इस घटना के बाद एजेंसियों ने चालक को हिरासत में लिया था। हाल ही में 13 नवंबर को जो बाइडेन की पोती नाओमी बाइडेन की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया था। तीन अज्ञात लोगों ने नाओमी की एसयूवी की खिड़की तोड़ने की कोशिश की थी,जिसके बाद नाओमी की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस एजेंट्स ने फायरिंग की थी। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स राष्ट्रपति बाइडेन की पोतीनाओमी की सुरक्षा में तैनात रहते हैं नाओमी अपनी सिक्योरिटी के साथ जॉर्जटाउन में थीं। उनकी एसयूवी कार एक जगह पार्क थी, जहां कुछ लोगों ने उनकी एसयूवी की खिड़की तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद उनके सुरक्षा कर्मियों ने फायरिंग शुरू कर दी थी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय संसद और अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था में चूक को रेखांकित करना ज़रूरी।वैश्विक स्तरपर हाई प्रोफाइल सुरक्षा व्यवस्था में चूक पर साझा मंथन समय की मांग।दुनियां के कुशल व दिग्गज नेतृत्व, व्यक्तित्व की कड़ी सुरक्षा पर वैश्विक संगोष्ठी के प्रयास पर अंतरराष्ट्रीय मंचों को मंथन करना होगा।

- लेखक- कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं.)

हर विधायक निवेश ढूंढे

एक बार फिर नई उम्मीदों के साथ करीब डेढ़ सौ निवेशकों की ओर हिमाचल ने हाथ बढ़ाया है। दुबई में बसे हिमाचली प्रवासियों के साथ मुख्यमंत्री की मुलाकात के परिणाम जनवरी के सम्मेलन में तय होंगे, लेकिन निवेश का नजरिया जरूर बदल रहा है और साधन संपन्न प्रवासी देश-प्रदेश को कुछ आर्थिक सहयोग लौटाने का जज्बा लिए हाजिर हैं। जाहिर तौर पर पर्यटन, ऊर्जा, फिल्म सिटी, मीडिया जैसे अनेक क्षेत्रों में निवेश के मायने रोजगार व प्रदेश की आर्थिकी को मजबूत करेंगे। निवेश की इच्छा, संभावना व परिकल्पना अपनी जगह सही है, लेकिन इसके लिए वातावरण, संवेदना, सुविधा तथा सरल प्रक्रिया की जरूरत सदैव रहती है। यह केवल सरकार का पक्ष नहीं, बल्कि विपक्ष तथा सामाजिक, दृष्टि का संयोग होना चाहिए। उदाहरण के लिए पिछले तमाम संकल्प खंगालने होंगे ताकि पता चले कि निवेशक का उत्साह क्यों शिथिल होता रहा। अब तक की निवेश परियोजना में कुल्लू का स्की विलेज राजनीति के कारण अपनी सारी संभावनाएं खो बैठा। आश्चर्य यह कि तब फोर्ड जैसी कंपनी तीव्रता से सारी औपचारिकताएं पूरी करने जा रही थी, लेकिन बीच में देव संस्कृति का हौआ खड़ा कर दिया गया। प्रदेश आज तक एक भी एसईजेड यानी विशेष आर्थिक जोन विकसित नहीं कर पाया तो इसलिए कि सियासत के खंभे हर जगह पहरेदारी कर रहे हैं। धूमल सरकार एविएशन क्षेत्र में ऊना में विशेष आर्थिक जोन विकसित करना चाहती थी, लेकिन वहां इसके खिलाफ दूसरा पक्ष खड़ा हो गया। जाहिर तौर पर हिमाचल में अवैध कब्जों के तहत सरकारी जमीन को खुर्दबुर्द करने का एक वोट बैंक रहा है जो ऐसी परियोजनाओं के खिलाफ इस्तेमाल होता है। कुछ वर्ष पहले एमिटी विश्वविद्यालय ने धर्मशाला में पांव रखा, लेकिन तत्कालीन विधायक किशन कपूर इसके विपरीत दिखाई दिए। दूसरी ओर यही किशन कपूर जब 'अक्षर धाम' के निर्माण से एक बहुत बड़ा निवेश धर्मशाला ला रहे थे, तो उनकी परियोजना के खिलाफ अपनी ही सत्ता का रसूख खड़ा हो गया।

अगर हर विधायक को निजी निवेश का राजदूत बना दिया जाए, तो हर विधानसभा क्षेत्र में कुछ तो परिवर्तन आएगा, बशर्ते सरकार व व्यवस्था पूर्ण सहयोग करे, वरना इसकी फाइल-उसकी फाइल पर भारी पड़ जाएगी या राजनीति हावी हो जाएगी। इस दिशा में उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के उस प्रयास की सराहना होनी चाहिए जहां वह हर पटवार सर्किल में लैंड बैंक की स्थापना पर जोर देते हैं। पाठक इस बात के गवाह हैं कि हमने हमेशा इस विषय को लेकर गांव से शहर तक हर स्थानीय निकाय के स्तर पर भूमि बैंक बनाने तथा नगर नियोजन के तहत विकास योजनाएं बनाने की सदा तरफदारी की है। इतना ही नहीं हिमाचल में निजी निवेश की सबसे बड़ी अड़चन वन एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम है जिसके तहत हिमाचल अपनी सत्तर फीसदी जमीन गंवा चुका है। ऐसे में महज तीस फीसदी भूमि पर हमें साग का खेत और सेब का बागीचा उगाना है, तो गांव से शहर तक भी बसाना है। ऐसे में निवेश या विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त वन भूमि चाहिए। पंजाब-हरियाणा अगर पांच प्रतिशत से कम भूमि में जंगल उगा कर रह सकते हैं, तो हमारे अस्तित्व में सत्तर फीसदी वन भूमि की बाड़बंदी क्यों। हमीरपुर, कांगड़ा, ऊना, मंडी, सिरमौर और बिलासपुर के कई समतल क्षेत्रों में जंगल उगाने के बजाय निवेश उगाना चाहिए या वन विभाग के जरिए ऐसा निवेश भी संभव है जहां जड़ी-बूटियां, जंगली खाद्य पदार्थ, फल-फूल के पौधे, चाय और काफी की प्लांटेशन तथा केनफ जैसी झाड़ियां उगा कर फर्नीचर, बिल्डिंग मैटीरयल व वैकल्पिक लकड़ी पैदा की जा सकती है।

टेक्नोलॉजी

दूसरों से छिपाना चाहते हैं अपनी सीक्रेट चैट्स तो ऑन कर लीजिए ये सेटिंग, बिना कोड डाले नहीं होगा कोई काम

सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी वॉट्सऐप ने कुछ समय पहले ऐप में 'चैट लॉक' फीचर यूजर्स को दिया है. इस फीचर की मदद से आप अपनी सीक्रेट चैट्स को पासवर्ड से लॉक कर सकते हैं. हालांकि लॉक करने के बाद भी इसमें एक समस्या ये थी कि चैट लॉक होने के बाद एक फोल्डर चैट लिस्ट के टॉप में नजर आता था जिसमें लॉक्ड चैट्स लिखा रहता था. इससे कोई भी ये जान सकता था कि आपने कुछ चैट्स लॉक की हैं. इस परेशानी को खत्म करने के लिए वॉट्सऐप ने कुछ समय बाद एक और नया फीचर 'हाइड लॉक फोल्डर' का दिया. आज हम आपको इसी बारे में बताने वाले हैं कि आप कैसे वाट्सएप पर अपनी सीक्रेट चैट्स को लॉक करने के साथ-साथ हाइड कर सकते हैं और एक कोड के माध्यम से इसे सर्च बर पर एक्सेस कर सकते हैं.

ऐसे कीजिए किसी भी वॉट्सऐप चैट को

लॉक - वॉट्सऐप चैट को लॉक करने के लिए सबसे पहले आप ऐप में जाएं और जिस भी व्यक्ति ही चैट को आप लॉक करना चाहते हैं उसकी प्रोफाइल पर जाएं या देर तक उसके नाम पर क्लिक करें. प्रोफाइल के अंदर जाने पर आपको चैट लॉक का ऑप्शन मिल जाएगा. इसे ऑन करते ही फिंगरप्रिंट लॉक द्वारा आपकी ये चैट लॉक हो जाएगी और एक अलग फोल्डर में चले जाएगी.

एक बार चैट लॉक होने के बाद जब आप 'लॉक्ड फोल्डर' में जाएंगे तो यहां टॉप राइट कॉर्नर पर आपको तीन डॉट दिखेंगे. इस पर क्लिक करें और यहां आपको हायड लॉक्ड चैट का ऑप्शन मिलेगा. इस पर क्लिक करने के बाद आपको एक पासवर्ड दर्ज करना होगा जो आपके लॉक स्क्रीन पासवर्ड से अलग होना चाहिए ताकि प्राइवेसी बनी रहे. पासवर्ड सेट करने के बाद आपकी लॉक्ड चैट्स गायब हो जाएंगी.

कैसे दिखेंगी फिर गायब चैट्स? - लॉक्ड चैट्स को एक्सेस करने के लिए आपको ऐप की सर्च बार में आपके द्वारा सेट किए गए पासवर्ड को दर्ज करना होगा. जैसे ही आप पासवर्ड डालेंगे तो फौरन लॉक्ड चैट का फोल्डर आपको नजर आने लगेगा. इस फीचर की मदद से केवल आप ही अपनी चैट्स को देख पाएंगे और आपकी प्राइवेसी बनी रहेगी.

ध्यान दें, आप चैट्स को हाइड करने के दौरान डाल रहे पासवर्ड में इमोजी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं.

जनरल नॉलेज

सिनेमा हॉल में सबसे अच्छी आवाज किस सीट पर आती है? कोशिश करें कि ये सीट मिले

> आवाज की बात करें तो सिनेमा हॉल पूरी तरह से साउंड प्रूफ होता है, यानी हॉल से आवाज बाहर नहीं जाती. यानी आप पूरे हॉल में कहीं भी बैठे रहें आपको आवाज एक बराबर ही आएगी.

एनिमल और सैम बहादुर ने फिल्मों के शौकीनों के लिए ये महीना बेहतर कर दिया. इन दोनों फिल्मों ने इस महीने खूब कमाई की. कई सिनेमा हॉल में इन फिल्मों की वजह से हाउसफुल रहे. खैर, हम बात इन फिल्मों की नहीं बल्कि सिनेमा हॉल के उन सीटों की करने वाले हैं जहां से आपको आवाज सबसे बेहतर सुनाई दे और फिल्म सबसे अच्छी दिखाई दे. चलिए अब सिनेमा हॉल की सीटों का गणित आपको समझाते हैं.

क्या कहते हैं एक्सपर्ट - इस सवाल का जवाब हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन ने अपने एक इंटरव्यू में दिया था. उन्होंने कहा था कि जब आप सिनेमा हॉल में बैठ कर कोई अच्छी फिल्म देख रहे हों और अगर आपकी सीट खराब हो तो फिल्म का मजा कम आता है. वहीं अगर फिल्म अच्छी हो और सीट भी आपको सिनेमा हॉल में अच्छी मिल जाए तो फिल्म का मजा दोगुना हो जाता है. उन्होंने कहा कि जब मैं सिनेमा हॉल में मूवी देखने जाता हूं तो थर्ड रो की मिडल वाली सीट को पसंद करता हूं.

आवाज किस सीट पर बेहतर आती है? - आवाज की बात करें तो सिनेमा हॉल पूरी तरह से साउंड प्रूफ होता है, यानी हॉल से आवाज बाहर नहीं जाती. यानी आप पूरे हॉल में कहीं भी बैठे रहें आपको आवाज एक बराबर ही आएगी. हां देखने में जरूर दिक्कत हो सकती है. इसलिए सिनेमा हॉल में जब भी जाएं कोशिश करें कि सीट का चुनाव देखने के लिहाज से करें. कुछ लोग पीछे की सीट भी पसंद करते हैं. दरअसल, पीछे की सीट पर डिस्टर्बेंस कम होती है और आप अपनी प्राइवेसी के साथ मूवी का आनंद उठा पाते हैं. वहीं कुछ थियेटर्स में रिकलाइनर सीट की सुविधा होती है, जिसे आप अपने हिसाब से सेट कर सकते हैं. यानी अगर आप पैर फैला कर देखना चाहते हैं या फिर लेट कर फिल्म देखना चाहते हैं तो आपके लिए रिक्लाइनर सीट सबसे बेस्ट है.

राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट में मनजीत और विशाल ने मप्र को दिलाया स्वर्ण पदक

कंग एवं केनोइंग संघ तथा मध्य प्रदेश कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजति संजीव कुमार सिंह स्मृति 34वीं सीनियर महिला पुरुष राष्ट्रीय केनो स्प्रिंट चैंपियनशिप में मप्र के लिए मनजीत सिंह और वशिाल दांगी ने स्वर्ण पदक जीते। मप्र ने तीसरे दनि एक स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य सहति कुल तीन पदक जीते। इसी के साथ मप्र ने इस प्रतियोगिता में 17 पदक जीत चुका है। वहीं एसएससीबी और और ओडिशा का दबदबा कायम है।

मंगलवार को राजधानी के छोटे तालाब पर प्रतियोगिता के तीसरे दिन 5000 मी महिला पुरुष, और 500 मी मिक्स के इवेंट आयोजित हुए। पुरुष वर्ग में 5000 मीटर के के-2 इवेंट में मप्र के कयाक मनजीत सिंह और विशाल दांगी ने शानदार प्रदर्शन कर मप्र के खाते में पहला स्वर्ण पदक जीता।

महिला वर्ग के सी-2 इवेंट में मासूमा यादव और परमिंदर की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं के के-1 इवेंट में मप्र की आस्था दांगी ने रजत पदक जीता।

मोहन यादव - समापन पर भारतीय क्याकिंग एवं केनोइंग संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन गुलरिया, एडीजी साजिद फरीद शापू, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष पीएस बुंदेला, उपाध्यक्ष संतोष सिंह राजपूत, विश्वामित्र अवार्ड विनोद मिश्रा, सचिव एमपीकेसीए मयंक ठाकुर, वरिष्ठ आइएएस सोफिया फारुकी, कमिश्नर पदक विजेताओं को मेडल पहनकर सम्मानित किया। इस मौके पर मंजरी झारुहार आइपीएस, अभिषेक सिंह चौहान निदेशक भारतीय खेल प्राधिकरण भोपाल, श्रीलंका कयाकिंग एवं केनोइंग संघ के अध्यक्ष तथा एडमिरल नेवल चिदंबगा कुमार शिंदे, कनाडा के कोच जकरिया महमूदी, पूर्व खेल संचालक बलबीर सिंह कुशवाहा, एडिशनल एसपी राजेश भदौरिया, अनुज, सोपति, राजवर्धन सिंह, विकास माथुर, अजय लेखी, राकेश राय, शिवेंद्र रघुवंशी, ईशान शिवहरे, विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आयुष्मान योजना में आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य को भी मिलेगा लाभ

भोपाल | आयुष्मान योजना में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आशा तथा ऊषा कार्यकर्ता, आशा सुपरवाइजर, कोटवार और संविदा कर्मियों को प्रतिवर्ष प्रति परिवार पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य सुरक्षा लाभ स्वीकृत किया गया है।

आयुष्मान भारत निरामयम योजना में पूर्व में स्वीकृत पात्र श्रेणियों में इन नई श्रेणियों को भी शामिल किया गया है। इस आशय का आदेश स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किया गया है।

आयुष्मान योजना में कुछ परिवारों को अपात्र भी घोषित किया गया है। जिसमें ऐसे परिवार जिसका कोई भी सदस्य गत तीन वर्षों में से किसी भी वर्ष में आयकर दाता हो, ऐसे परिवार जिसका कोई भी सदस्य किसी अन्य शासकीय योजना से निश्शुल्क स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकता हो और ऐसा परिवार जिसका कोई भी सदस्य शासकीय कर्मचारी होने के साथ-साथ राज्य शासन अथवा केंद्र शासन की किसी अन्य योजना अंतर्गत निश्शुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने के पात्र हो शामिल होंगे।

नए साल में आठ सरकारी कालेज के प्राचार्य हो जाएंगे सेवानिवृत्त,कालेजों में 50 प्रतिशत पद खाली

उच्च शिक्षा विभाग ने सेवानिवृत्त होने वाले प्राचार्यों की जारी की सूची,प्रभावित हो रही शिक्षण व्यवस्था।

भोपाल | राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है। इसके तहत स्नातक प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम में बदलाव किया गया। इसके तहत विद्यार्थी बहुसंकाय लेकर पढ़ाई कर सकता है, लेकिन कालेजों में 50 प्रतिशत पद खाली है। प्रदेश के 536 सरकारी कालेजों में करीब 12 हजार शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक के पद स्वीकृत हैं।इसमें करीब सात हजार पद भरे हुए हैं और छह हजार पद खाली है। वहीं सरकारी कालेज प्रभारी प्राचार्य के भरोसे संचालित हो रहे हैं। उधर, उच्च शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी कर अगले साल सेवानिवृत्त होने वाले सरकारी कालेजों के प्राचार्य के नाम जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2024 में आठ प्राचार्य सेवानिवृत्त हो जाएंगे।वहीं राजधानी के सभी महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य के भरोसे संचालित हो रहे हैं। वहीं वर्ष 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों की सूची में उच्च शिक्षा विभाग ने दो नाम जारी किए हैं।

ये प्राचार्य होंगे सेवानिवृत्त - उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव वीरन सिंह भलावी द्वारा जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2024 में आठ प्राचार्य सेवानिवृत्त हो जाएंगे। जारी सूची के अनुसार शासकीय पीजी कालेज दमोह के प्राचार्य डा. केपी अहिरवार और शासकीय कालेज राऊ, की प्राचार्य डा. सुधा सिलावट 31 जुलाई 2024 को सेवानिवृत्त होंगी। वहीं शासकीय होल्कर साइंस कालेज इंदौर के प्राचार्य डा. सुरेश टी. सिलावट व शासकीय इंदिरा गांधी गृहविज्ञान कन्या पीजी कालेज शहडोल की प्राचार्य डा. ऊषा नीलम,30 अक्टूबर 2024 को और शासकीय कन्या महाविद्यालय छतरपुर के प्राचार्य डा. एलएल कोरी 28 फरवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।इसके अलावा शासकीय केआरजी कालेज ग्वालियर के प्राचार्य डा एमआर कौशल और शासकीय कन्या पीजी कालेज, मुरार की प्राचार्य डा. सुशीला माहौर 31 दिसंबर 2024 को सेवानिवृत्त होंगी।

प्रभारी प्राचार्य के भरोसे 422 कालेज - प्रदेश के 422 कालेजों में प्रभारी प्राचार्य कार्यरत हैं।ऐसे में वरिष्ठ प्रोफेसरों को प्राचार्य की जिम्मेदारी दे दी जाती है।इससे शैक्षणिक व्यवस्था तो प्रभावित होती ही है।साथ ही प्रशासनिक कार्य भी प्रभावित होते हैं। राजधानी में 10 सरकारी कालेजों में एक भी स्थायी प्राचार्य नहीं हैं। सभी प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे संचालित हो रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल बोले-जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर उचित जगह लगेगी, यह है मामला

भोपाल | मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल का मध्य प्रदेश विधानसभा में पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर हटाए जाने पर बयान सामने आया है।

उल्लेखनीय है कि कल मध्य प्रदेश विधानसभा के सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष की आसंदी के पास लगी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर को हटाकर उनके स्थान पर संविधान निर्माता डा. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर लगा दी गई थी।

मीडिया से बातचीत में

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि कांग्रेस को इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए और उनको डॉ. अंबेडकर जी की तस्वीर लगाने का स्वागत करना चाहिए। सचिवालय निश्चित रूप से पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर को उचित जगह पर लगाने का काम करेगा।

मध्य प्रदेश विधानसभा में पहले आसंदी की दांयी ओर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बांयी ओर पंडित नेहरू की तस्वीर लगी थी। वर्ष 1997-98 में जब विधानसभा मिंटो हाल से इस भवन में स्थानांतरित हुई थी तब महात्मा गांधी और पंडित नेहरू की तस्वीर आसंदी के पास लगाई गई थी।

एमपी हाई कोर्ट ने पीएससी-2019 के रिजल्ट तैयार करने के आदेश पर लगाई रोक

हाई कोर्ट ने पीएससी-2019 परीक्षा के रिजल्ट तैयार करने संबंधी आदेश पर रोक लगा दी है। जिसमें दो सौ से अधिक याचिकाओं को आंशिक रूप से स्वीकार कर मप्र लोक सेवा आयोग को नार्मलाइजेशन के निर्देश दिए थे।

भोपाल । हाई कोर्ट की युगलपीठ ने पीएससी-2019 परीक्षा के रिजल्ट तैयार करने संबंधी एकलपीठ के पूर्व आदेश पर रोक लगा दी। इस अंतरित आदेश के साथ ही मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ व न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव, विधि एवं विधायी कार्य विभाग के सचिव सहित तीन दर्जन से अधिक उम्मीदवारों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया। मामले की अगली सुनवाई पांच फरवरी को होगी।

दो मुख्य परीक्षाओं में उलझी गुत्थी - दरअसल, 23 अगस्त को न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया की एकलपीठ ने पीएससी-2019 परीक्षा के मामले में पीएससी को निर्देश दिए थे कि पहली मुख्य परीक्षा और बाद में हुई स्पेशल मुख्य परीक्षा के परिणामों को मिलाकर उनका नार्मलाइजेशन करने के बाद रिजल्ट जारी करें। पीएससी ने इस आदेश के विरुद्ध युगलपीठ के समक्ष यह अपील प्रस्तुत की है।

नए सिरे से बना था फार्मूला - एकलपीठ ने दो सौ से अधिक याचिकाओं को आंशिक रूप से स्वीकार कर मप्र लोक सेवा आयोग को निर्देश दिए थे। कोर्ट ने कहा था कि पहली मुख्य परीक्षा में 1918 के साथ स्पेशल मेन्स में बैठे 2712 उम्मीदवारों के रिजल्ट को मिलाकर उनका नार्मलाइजेशन किया जाए। इससे पहले पीएससी स्पेशल मेन्स के बाद नए सिरे से 87-13 प्रतिशत के फार्मूले से रिजल्ट जारी कर साक्षात्कार की प्रक्रिया शुरू की थी।

हाई कोर्ट का आदेश - एकलपीठ के आदेश के बाद नए सिरे से कार्रवाई करनी थी। हालांकि हाई कोर्ट ने कहा था कि पहली मेन्स में उत्तीर्ण उम्मीदवारों को उनके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। इस मामले को लेकर कुछ याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित हैं। पीएससी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत सिंह, हस्तक्षेपकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, विनायक शाह व अंशुल तिवारी ने पक्ष रखा।

प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के वायरल वी डियो के मामले में बीजेपी ने पुलिस से की शिकायत

भोपाल | फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का कूटरचित वीडियो वायरल किए जाने के मामले में भारतीय जनता पार्टी ने पुलिस कमिश्नर भोपाल से शिकायत की है। शिकायत में कहा गया है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा का एक कूटरचित वीडियो फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पर प्रसारित किया जा रहा है। इस कूटरचित वीडियो के माध्यम से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं व सरकार की छवि खराब करने काम किया गया है। साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों, माताओं-बहनों, युवाओं, छात्रों और किसानों को भ्रमित कर भड़काने का प्रयास किया गया है। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा ने शिकायत के साथ वह आइडी भी पुलिस को सौंपी हैं, जिससे उक्त कूटरचित वीडियो प्रसारित किया गया है। उन्होंने कूटरचित वीडियो प्रसारित करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

राकेश सिंह ने विष्णुदत्त शर्मा से की सौजन्य भेंट - भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक व पूर्व सांसद राकेश सिंह ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय पहुंचकर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा से सौजन्य भेंट की एवं विधानसभ ा चुनाव में मिली प्रचंड विजय के लिए बधाई दी। वहीं दोनों नेताओं के बीच लोकसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई।

विधानसभा सत्र के दूसरे दिन 21 विधायकों ने ली शपथ, दिवंगतों को श्रद्धांजलि के बाद कार्यवाही स्थगित

विधानसभा सत्र के पहले दिन सोमवार को 207 सदस्यों ने ली थी शपथ। कमल नाथ भोपाल से बाहर होने के कारण बाद में लेंगे शपथ।

भोपाल | मप्र की 16वीं विधानसभा के गठन के पश्चात सोमवार से इसका पहला सत्र शुरू हो गया है। मंगलवार को सत्र के दूसरे आज कमल नाथ को छोड़कर बाकी 21 नव निर्वाचित विधायकों ने सदस्यता की शपथ ली। कमल नाथ इस समय विदेश प्रवास पर हैं। विधानसभा के सामयिक अध्यक्ष गोपाल भार्गव ने उन्हें शपथ दिलाई। सोमवार को पहले दिन मुख्यमंत्री मोहन यादव और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित 207 नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली थी। गोपाल भार्गव सामयिक अध्यक्ष के रूप में सत्र शुरू होने से पहले ही शपथ ले चुके थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश विधानसभा सत्र के दूसरे दिन विधानसभा के भूतपूर्व सदस्यों व अन्य गणमान्य दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदनाएं भी व्यक्त की।

दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि - विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद सदन में रामदयाल अहिरवार, कल्याण जैन, ताराचंद पटेल, भगवत सिंह पटेल, सरताज सिंह समेत कुछ पूर्व विधायकों के निधन पर शोक व्यक्त किया गया और उन्हें श्रद्धाजंलि देते हुए दो मिनट के मौन के बाद सदन की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

विधानसभा सत्र में नहीं रहेंगे कमल नाथ - मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कमल नाथ इस विधानसभा सत्र में शामिल नहीं हो रहे हैं। वह 15 दिन के लिए भोपाल से बाहर गए हुए हैं। कमल नाथ को अलग से शपथ दिलाई जाएगा।

10 विधायकों ने संस्कृत में ली शपथ - पहले दिन विधानसभा में पूर्व सांसद और नवनिर्वाचित विधायक रीति पाठक ने संस्कृत में शपथ ली। डा. अभिलाष पांडेय और धर्मेंद्र लोधी सहित कुल 10 विधायकों ने भी संस्कृत में शपथ ली। वहीं कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने उर्दू में शपथ ली। भारत आदिवासी पार्टी के कमलेश्वर डोडियार ने अंग्रेजी में शपथ ली।

थाना अयोध्यानगर पुलिस की गिरफ्त में 02 शातिर वाहन चोर

» आरोपियो से कुल 06 मो.सा. कीमत करीब 4.20 लाख रुपये बरामद » नकली मास्टर चाबी से हेंडल लाक खोल ले जाते थे मो.सा. » नशे व निजी शौक के लिये किया करते थे वाहन चोरी।

भोपाल | शहर मे हो रही वाहन चोरी की घटना को रोकने एवं आरोपियों की धरपकड हेतु पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायणाचारी मिश्र , अति. पुलिस आयुक्त श्री अवधेश गोस्वामी व्दारा निर्देशित किया गया था, उक्त निर्देश के पालन में पुलिस आयुक्त श्रीमति श्रृद्धा तिवारी, जोन-02 भोपाल , अति. पुलिस उपायुक्त श्री महावीर सिंह मुजाल्दे जोन-02 भोपाल के पर्यवेक्षण में तथा सहायक पुलिस आयुक्त श्री अक्षय चौधरी एमपी नगर संभाग नगरीय पुलिस भोपाल के मार्गदर्शन में थाना अयोध्या नगर के थाना प्रभारी निरी. महेश लिल्हारे के नेतृत्व मे टीम गठित की गई थी जिन्होने सूचना तंत्र विकसित कर लगातार वाहन चोरो की पतारसी करते हुये 02 वाहन चोर को दबोच कर उनसे थाना अयोध्यानगर सहित अन्य थानों के अपराध में चोरी हुये कुल 06 दोपहिया वाहन (कीमती करीब 4.20 लाख रुपये) बरामद किया ।

कार्यवाही -- 01.11.2023 को फरियादी राहूल यादव (पीएचई विभाग मे शासकीय कर्मचारी) पुत्र जमुना प्रसाद यादव उम्र 30 वर्ष नि. सरस्वति स्कूल के पास एन सेक्टर अयोध्यानगर भोपाल ने थाना आकर रिपोर्ट किया कि दि. 31.10.2023 के रात्रि लगभग 09.00 बजे अयोध्यानगर शराब की दुकान के पास से उनकी मो.सा. होंडा स्वीस्टर MP04 AM 9486 को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है।

नए सत्र की किताबें इस बार मार्च में ही विद्यार्थियों को मिल जाएंगी

राज्य शिक्षा केंद्र ने सत्र 2024-25 की पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को दी जाने वाली निश्शुल्क किताबों के संबंध में निर्देश जारी किए।

भोपाल | इस बार नवीन शैक्षणिक सत्र 2024-25 की पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को मिलने वाली निश्शुल्क किताबें मार्च के पहले सप्ताह में पहुंच जाएंगी। लोकसभा चुनाव के चलते आचार संहिता लागू होने से पहले राज्य शिक्षा केंद्र ने विकासखंड स्तर तक डिपो से किताबों को पहुंचाने के लिए निर्देश जारी कर दिए हैं।राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा पहली से आठवीं तक के करीब 65 लाख से अधिक विद्यार्थियों को निश्शुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाती है। नवीन शैक्षणिक सत्र 2024-25 के साथ ही इस बार अप्रैल में लोकसभा चुनाव संभावित है। इसी दौरान सत्र की शुरुआत होगी।आचार संहिता के प्रभावशील होने व वाहनों की उपलब्धता नहीं होने के कारण स्कूलों में वितरित होने वाली निश्शुल्क किताबों को इस बार मार्च महीने में पहुंचाया जा रहा है। राज्य शिक्षा केंद्र ने इस संबंध में जारी निर्देश में कहा है कि पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा सत्र 2024-25 के लिए निश्शुल्क पाठ्यपुस्तकें मार्च के पहले सप्ताह में उपलब्ध कराया जाना संभावित है। लोकसभा चुनाव के निर्वाचन की आचार संहिता के पहले किताबों को

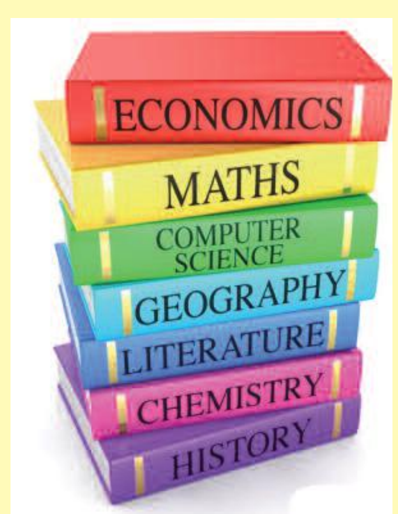

पहुंचाया जाना है। इसके लिए 20 जनवरी तक तैयारी पूरी कर ली जाए।

किताबों की आनलाइन ट्रैकिंग की जा रही है - राज्य शिक्षा केंद्र ने सरकारी स्कूलों की पाठ्यपुस्तक वितरण व्यवस्था को आनलाइन किया है। आनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम जियो टैग तकनीक आधारित है। पाठ्य पुस्तक निगम के डिपो से ब्लाक के लिए पुस्तक वितरण चालान बनते ही ब्लाक अधिकारी को मोबाइल एप पर परिवहन वाहन के नंबर वाला अलर्ट प्राप्त हो जाता है। पुस्तकें प्राप्त होने के बाद ब्लाक अधिकारी चालान की पावती मोबाइल एप के माध्यम से ही पुस्तक निगम को भेजते है। एप की जानकारी के आधार पर वर्तमान सत्र में लगभग सवा तीन पांच करोड़ से अधिक पाठ्य पुस्तकों का वितरण इस एप के माध्यम से करेंगे। करीब सवा पांच करोड़ से अधिक पाठ्यपुस्तक के विकासखंड कार्यालय से प्राप्त कर कक्षा पहली से आठवीं तक के करीब 75 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाएगी

इनका कहना है - -अगले सत्र की पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को निश्शुल्क किताबें जल्द उपलब्ध कराई जाएगी। • धनराजू एस, संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र

बायोटेक्नोलाजी के क्षेत्र में नए प्रयोग कैसे करें, प्रशिक्षण दिया

भोपाल | बायोटेक्नोलाजी के क्षेत्र में नए कैसे करें इस संबंध में जानकारी देने के लिए इंटर कालेज व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संत हिरदाराम कालेज में आयोजित इस प्रशिक्षण में न्यूक्लिक एसिड संरचना, सेंट्रीफ्यूज प्रकार, सिंद्धात, अनुप्रयोग, ट्रांसफेक्शन क्रोमेटोग्राफी, हिमेटोलाजी, मालेक्युलर बायोलाजी, आदि तकनीक के बारे में सविस्तार प्रशिक्षण प्रदान किया गया। बायोटेक्नोलाजी विभाग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण में एसवी. कालेज सीहोर, बाबूलाल गौर गवर्नमेंट पीजी कालेज, भेल और संत हिरदाराम गर्ल्स कालेज के 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डा. डालिमा पारवानी ने व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ये तकनीकें विभिन्न क्षेत्रों में आधारभूत है, जो अनुसंधान और प्रौघोगिकी में योगदान देती है।

जो भी छात्र- छात्राएं प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा मूल्यवान कौशल और ज्ञान प्राप्त कर रहे है, वो उनके भविष्य के शैक्षणिक और व्यवसायिक कार्यों के लिए लाभकारी होगा।

नए वर्ष के उत्सवों पर भोपाल नगर निगम करेगा निगरानी

बिना मनोरंजन कर मनाई पार्टी तो आयोजकों से वसूलेगा जुर्माना।

भोपाल | आर्थिक तंगी से जूझ रहा नगर निगम राजस्व बढ़ाने के लिए नए-नए प्रयास कर रहा है। अब नए वर्ष में होने वाले उत्सवों पर भी मनोरंजन कर वसूलने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए निगम की टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मुस्तैद रहेगी। यदि बिना अनुमति और मनोरजंन कर दिए न्यू ईयर पार्टी का आयोजन किया जाता है, तो इनसे जुर्माना वसूला जाएगा।

बता दें कि राजस्व बढ़ाने के लिए नगर निगम ने अब नए साल के मौके पर होटलों और रिजार्ट में न्यू ईयर पार्टियों में टिकट लेकर होने वाली एंट्री के बाद कर नहीं चुकानों वालों के खिलाफ कार्यवाही की तैयारी की है। उसकी टीम इन जगहों पर आन द स्पाट पहुंच कर कार्यवाई करेगी। शहर में नए साल के आगमन के लिए इवेन्ट्स प्रोग्राम प्लान हैं। जहां भोजन के साथ मनोरंजन की भी गारंटी है। इस मामले में कई होटलों के टिकट जिसको एंट्री पास का नाम दिया गया है 1500 से लेकर 10 हजार रुपये तक की फीस रखी गयी है।

सपना चौधरी के मामले में चेक बाउंस - पिछले वर्ष नर्मदापुरम रोड के एक रिसोर्ट में हरियाणा की डांसर सपना चौधरी के कार्यक्रम का भी मनोरंजन टैक्स चुराया था। जोन 12 के अधिकारियों ने वहां कार्यक्रम को रुकवाया था और टैक्स चुकाने को कहा था। फिर भी टैक्स नहीं चुकाया गया और राजनीतिक दबाव से मामले को दबा दिया गया था। इसकी फाइल फिर खुल गई है। रिसोर्ट संचालक ने इस मामले में प्रोग्राम मनोरंजन राशि का जो चेक भेजा था, वह बाउंस हो गया है। इससे यह मामला अब कोर्ट में ले जाने की तैयारी है।

सिनेमाघरों से भी नहीं मिल रहा टैक्स - नगर निगम को राजधानी में चलने वाले सिनेमाघरों और सिने प्लेक्सों से भी हर शो के हिसाब से टैक्स मिलता है। लेकिन कई सालों से यह टैक्स नहीं आ पा रहा है। इसके अलावा सिनेमाघरों में फिल्मों के बीच विज्ञापनों की चलने वाली स्लाइडों पर भी टैक्स लगता है, लेकिन इसकी गणना करने के लिए निगम के अधिकारी और कर्मचारी अब छापामार कार्यवाही करेंगे। अभी इस टैक्स को वसूल करने के लिये निगम नए सिरे से सख्ती करेगा।

संक्षिप्त समाचार

खुले में मॉस मछली वि य करने वालों के विरूद्ध की गयी बड़ी कार्रवाई

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन के द्वारा जारी दिशा निर्देशों के तहत् आज निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े के निर्देशानुसार नगर निगम एवं जिला खाद्य विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से संभाग मांक 2 कछपुरा के अंतर्गत खुले में मॉस मछली वि य करने वालों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई गी गयी। कार्यवाही के दौरान प्रीति चिकन शॉप पर बिना अनुज्ञप्ति एवं बिना खाद्य विभाग के लाइसेंस के दुकान संचालित करते पाये जाने एवं 30 किलोग्राम चिकिन खुले में गंदगी में रखा हुआ पाये जाने पर जब्त कर चालानी कार्यवाही की गई। 5 दुकानदारों के चालान काटे गये और इनसे स्पॉट फाइन के रूप में जुर्माने की राशि भी वसूल की गयी। उन्होंने बताया कि अब यह कार्रवाई रहेगी लगातार जारी। कार्रवाई के समय खाद्य विभाग से खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव, संजय गुप्ता, नगर निगम टीम से मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक प्रीतेश मासोडकर, स्वास्थ्य निरीक्षक अमन चतुर्वेदी, सुपरवाइजर एल. कोण्डैया, रामाराव, प्रशांत राव, अजय बिहुनिया, आदम सालोमन, दीपक करोसिया, मधुकिरण, व्यंकट नारायण आदि उपस्थित रहे।

सीएम राइज विद्यालय टेमला में वार्षिक उत्सव का आयोजन

खरगोन। सीएम राइज विद्यालय टेमला में वार्षिक उत्सव 2023 का आयोजन किया गया। जिसमें तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव में खेल के साथ रंगोली, पेंटिंग, मेहंदी प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता के साथ सांस्कृतिक कार्य मों का आयोजन किया गया। इन सांस्कृतिक कार्य मों में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्र-छात्राओं ने यह बता दिया कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है उसे अवसर का इंतजार होता है। छात्राओं ने विभिन्न कार्य मों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्य म सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रभारी संतोष जायसवाल एवं सुश्री साधना सक्सेना के मार्गदर्शन में संपन्न हुए। कार्य म के अंत में छात्रपरिषद एवं हाउस पदाधिकारियों की बेज शेरेमनी के साथ शपथविधि कार्य म भी संपन्न किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि श्री प्रशांत आर्य सहायक आयुक्त ने कहा के विद्यार्थियो से जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर उस और कड़ी मेहनत करने की बात कही। उन्होंने कहा कि परिणाम की चिंता न करे परिणाम हमारी मेहनत का मिलेगा। इस अवसर पर विशेष अतिथि शिक्षाविद श्री दिलीप करपे एवं श्री भागीरथ पाटीदार तथा जिलाध्यक्ष शिक्षक संघ श्री रमेश चंद्र पाटीदार, प्राचार्य श्री अशोक सिंह पवार सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बीजेपी के लिए की थी मन्नत ख्वाजा को पेश की गई चादर

सीहोर। मन्नत पूरी होने पर राष्ट्रीय पसमांदा मुस्लिम महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नौशाद खान के द्वारा अजमेर पहुंचकर ख्वाजा गरीब नवाज के दरबार में चादर पेश कर देश की खुशियाली अमनचैन और देश के सभी राज्यों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के लिए दुआ की गई। भाजपा की सरकार बनने को लेकर पसमांदा मुस्लिम महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नौशाद खान के द्वारा अजमेर पहुंचकर ख्वाजा गरीब नवाज के दरबार में अर्जी लगाई गई थी। विधानसभा चुनावों के द्वारा मध्य प्रदेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ख्वाजा गरीब नवाज की दुआ से तीनों राज्यों में भाजपा की सरकार बन गईश्री खान की मन्नत पूरी हुई। भारत में भारतीय जनता पार्टी का परचम लहराता रहे को लेकर दुआ के दौरान राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष हाजी शरीफ अब्बासी, जिला सचिव आमिर हुसैन और पसमांदा मुस्लिम महासंघ के कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

सत्य की ओर से निर्धन व्यक्ति का विधि-विधान से किया दाह संस्कार कराया

सीहोर। विगत आठ सालों से सत्य समिति की ओर से निर्धन, बेसहारा और असहाय व्यक्ति का दाह संस्कार कराया जा रहा है। इसी कडी में शहर के गंज स्थित कोली मोहल्ला निवासी सोनू का निर्धन हो गया था। जानकारी मिलते ही पूर्ण विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया गया। अब तक करीब 99 लोगों का अंतिम संस्कार करवाया जा चुका है। गंज निवासी सोनू के सूचना मिलने पर विश्राम घाट पर इनका अंतिम संस्कार करवाया गया था। समाजसेवी हरीश अग्रवाल ने बताया कि हमारी समिति सत्य के अध्यक्ष शंकर प्रजापति सहित अन्य सदस्य को जैसे ही निर्धन व्यक्ति के मृत होने की जानकारी मिलती है, वैसे ही संस्था के द्वारा उसके अंतिम संस्कार का इंतजाम किया जाता है। जब किसी निर्धन व्यक्ति को उसके परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु अथवा किसी लावारिस शव के अंतिम संस्कार की सामग्री जुटाने में रुपये

महापौर एवं निगम अध्यक्ष ने शिविर मे जा कर नागरिकों का मार्गदर्शन किया

उज्जैन। शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं से आमजन को अवगत कराने के उद्देश्य से प्रत्येक वार्ड में विकसित भारत संकल्प यात्रा अन्तर्गत शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। महापौर श्री मुकेश टटवाल एवं निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा वार्ड क्रमांक 40, 41 अन्तर्गत शासकीय माध्यमीक विद्यालय मीरा माधव मंदिर एवं वार्ड 01, 02, 05 अन्तर्गत पीपली नाका चौराहा पर आयोजित शिविर में जा कर नागरिकों का मार्गदर्शन किया।

महापौर श्री मुकेश टटवाल एवं निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव बुधवार सायं पीपली नाका चौराहा पर आयोजित शिविर में एवं निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा प्रात: शासकीय माध्यमीक विद्यालय मीरा माधव मंदिर में विकसित भारत संकल्प यात्रा अन्तर्गत आयोजित शिविर में पहुंचे, यहां उन्होने उपस्थित नागरिकों से चर्चा करते हुए शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए उनका मार्गदर्शन किया एवं शिविर में उपस्थित अधिकारी, कर्मचारियों से भी चर्चा की एवं शिविर की जानकारी प्राप्त की और निर्देशित किया कि संकल्प यात्रा का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं को पहुंचाना एवं उन्हे लाभांवित करना है। इसलिए लोककल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से प्रत्येक नागरिक को अवगत करवाया जाए। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन जिन वार्डो के अन्तर्गत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं उन वार्डो में व्यापक प्रचार प्रसार कर शिविर की सूचना नागरिकों तक पहुंचाई जा रही है साथ ही वार्ड पार्षद एवं निगम अधिकारीयों द्वारा भी नागरिकों को शासन की योजनाओं से अवगत करवाया जा रहा है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा अन्तर्गत आयोजित शिविर में शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, संबंल योजना, आयुष्मान भारत योजना के साथ ही अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी से नागरिको को अवगत कराया जा रहा है। शिविर में नागरिक पहुंचकर शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित हो रहे है। इसी के साथ ही स्वास्थ्य शिविर में नागरिकों का स्वास्थ्य परिक्षण किया जा रहा हैं।

इस दौरान झोन अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम मालवीय, पार्षद श्री हेमन्त गेहलोत, श्रीमती जानीबाई राठौर सहित निगम अधिकारी उपस्थित रहे।

आज 21 दिसम्बर गुरूवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा अन्तर्गत प्रात: 10 बजे से वार्ड 09, 10 अन्तर्गत संत रविदास चरण पादुका परिसर भैरूनाला में एवं सायं 03 बजे से वार्ड क्रमांक 08, 15 अन्तर्गत वामनेश्वर उद्यान में शिविर आयोजित होगा।

प्रभारी सदस्य श्री मेहता ने की टेऊ्ड लायसेंस शाखा की समीक्षा

प्रभारी सदस्य श्री मेहता ने की टेऊ्ड लायसेंस शाखा की समीक्षा : राजस्व विभाग प्रभारी एमआईसी सदस्य श्री रजत मेहता द्वारा बुधवार को टेऊ्ड लायसेंस शाख की समीक्षा की गई एवं विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यो की जानकारी प्राप्त की गई।

बैठक में प्रभारी सदस्य श्री मेहता द्वारा वर्ष 2022-23 से 2023-24 तक कितनी वसुली की गई की जानकारी प्राप्त की गई। प्रतिदिन वार्ड वार कॉलोनीयों में लगभग 100 दुकानों पर सम्पर्क करने, आबकारी विभाग को पत्र भेजते हुए देशी, विदेशी दुकानों के ट्रेड लायसेंस की जानकारी प्राप्त करने, श्रम विभाग से उज्जैन नगर निगम सीमा क्षैत्र के लिये गुमास्ता की जानाकरी प्राप्त करने, व्यापारी ऐसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव के साथ बैठक करने, कचरा कलेक्श वाहनों के माध्यम से ट्रेललायसेंस बनवाये जाने का प्रचार प्रसार करने एवं शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा समस्त स्कुलों एवं अस्पतालों की जानकारी प्राप्त करने हेतु कहा गया।

डुमना नेचर पार्क में बच्चों और पर्यटकों को अब लुभायेगा फन बस पार्क में खेल के अन्य संशाधन भी उपलब्ध - महापौर

जबलपुर। नगर निगम के डुमना नेचर पार्क में पर्यटकों और बच्चों के मनोरंजन के लिए अनेकों नवाचार किये गए हैं तथा खेल का भी आनंद उठाने संशाधनों को नए सिरे से विकसित किया गया है। पार्क में कबाड़ से कमाल योजना के अंतर्गत अनुपयोगी मेट्रो बस का मॉडीफाय करके एक फल बस तैयार की गयी और इसके आस पास फिसल पट्टी तथा अन्य संशाधन विकसित किये गए हैं जिसका आज महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू", निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एवं नेताप्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल के द्वारा उद्घाटन किया गया और फन बस तथा फिसल पट्टी का आनंद उठाकर पर्यटकों और बच्चों को भी आकर्षित किया।

इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि फन बस, फिसल पट्टी और अन्य विकसित खेल संशाधन डुमना नेचर पार्क में बच्चों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है और सभी पार्क में आने जाने वाले लोग इसका लुफ्त उठाने आतुर दिखाई दिये।

महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" ने बताया कि इसके पूर्व नगर निगम द्वारा अनुपयोगी मेट्रो बसों का इस्तमाल कर नए सिरे से रेनोवेट कर महिलाओं के लिए चेजिंग रूम, पुस्तक बैंक, बर्तन बैंक, थैला बैंक, आदि तैयार कर लोगों को सुविधाएँ मुहईया कराई गयी हैं अब वहीं दूसरी ओर कंडम हो चुकी बसों का सदुपयोग करते हुए मोडीफाई करके बच्चों के मनोरंजन के साधन के रूप में तैयार कराई गयी है।

उन्होंने कहा कि मनोरंजन के साधन के रूप में तैयार फन बस डुमना में पधारने वाले सैलानियों के लिए समर्पित की गयी, जहाँ पर बच्चे फन बस में बैठकर आनंद और उत्साह का अनुभव करेगें। उन्होंने यह भी बताया कि आगे भी इसी तरह कंडम हो चुकी अनुपयोगी मेट्रो बसों का विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग किया जायेगा और आमजनों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी की जायेगी।

660 गांवों तक पहुंचे अयोध्या से आए अक्षतगांव गांव से प्रत्येक घरों तक अक्षय वितरण

सीहोर। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के बाद प्राण प्रतिष्ठा विश्व स्तरीय समारोह में भी विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सीहोर जिला के द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। नगर के 10 खंडों सहित जिले के 660 ग्रामों तक श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या जी से आए अक्षत सफलता पूर्वक पहुंच चुके हैं। इधर अब अक्षत वितरण कार्यक्रम अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है जिसमें जिले के सभी गांव गांव से प्रत्येक घरों तक अक्षय वितरण 1 से 15 जनवरी तक संपन्न किया जावेगा। सोमवार को विभिन्न ग्रामों सहित सीहोर नगर के 10 खंडों में अक्षत कलश वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अक्षत कलश पूजन का कार्यक्रम ग्वालटोली स्थत श्री राधेश्याम मंदिर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विहिप प्रांत सह मंत्री सुनील शर्मा जिला अध्यक्ष जगदीश कुशवाहा जिला मंत्री राकेश विश्वकर्मा नगर अध्यक्ष परमजीत संधू आलेख राठोर एवं समस्त नगर टीम एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाथिकारी सुरेश गुप्ता कमल सिंह ठाकुर राजेंद्र मेवाड़ा प्रताप मेवाडा जितेंद्र सेन मनीष अग्रवाल आदित्य परमार नरेंद्र परमार और नागरिकगण उपस्थित रहे।

दिवंगत कर्मचारी के आश्रितों को लगातार मिल रही है अनुकम्पा नियुक्तियाँ

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र में जारी दिशा निर्देशों के अनुसार निगम में कार्यरत शासकीय सेवक के सेवाकाल में निधन होने पर उनके आश्रितों को शासन द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति की नीति के अंतर्गत दो वर्षो की परिवीक्षा अवधि के अधीन सहायक वर्ग-3 के पद पर 7 और सफाई संरक्षक के पद पर 7 अभ्यर्थियों को शर्तो के अधीन अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई। सहायक वर्ग-3 के पद पर जिसमें श्रीमती अंजना गौंड/स्व.श्री सुरेश गौंड, श्रीमती अंकिता दुबे/स्व.श्री अमित कुमार दुबे, श्रीमती अनुराधा केवट/स्व.श्री लक्ष्मण राव, कोन्की एफ्राइम/स्व.श्री येसुदास, सुनील सोनी/स्व.श्री शारदा प्रसाद सोनी, असद खान/स्व.श्री शेख आजाद, एवं अतुल रैकवार/स्व.श्री अजय कुमार साहू इसके साथ-साथ सफाई संरक्षक के पद पर जिसमें श्रीमती रेश्मा करसा/श्री कमलेश करसा, श्रीमती

बोदाला ललितम्मा/स्व.श्री अपसलाम, श्री जॉन सुंदर/स्व.श्री जेम्स, छोटू कोरी/स्व.श्री संतोष कोरी, सचिन ग्रावकर/स्व.श्री भगवानदास, प्रशांत/स्व.श्री दानैया, एवं सोनू/स्व.श्री रामैया के नाम शामिल हैं।

इन सभी 14 आश्रितों को महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू", निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एवं नेताप्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल के द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति के आदेश एवं बुके प्रदान किये। इस अवसर पर उन्होंने सभी को शासकीय नौकरी प्राप्त करने की शुभकामनाएँ देते हुए ईमानदारी से कार्य करने एवं परिवार का भरण पोषण करने कहा। उन्होंने कहा कि परिवार का भरण पोषण एवं देखरेख में कोई कमी नहीं आना चाहिए। महापौर ने यह भी कहा कि जो कार्य निगम में दिया जाये, उन कार्यों को भी कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से करें ताकि नागरिकों में एक अच्छा संदेश जा सकें।

िवकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची बसुरिया

सालीचौका नरसिंहपुर। गत दिवस समीपवर्ती ग्राम पंचायत बसुरिया विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची जहां मोदी की गारंटी, योजना का लाभ वंचित पात्र व्यक्ति को मिले इसी उद्देश्य से यात्रा शुरु की गई है यात्रा वि.ख. चीचली ग्राम पंचायत बसुरिया, लवासर में पहुंची , जहां पर देश के प्रधानमंत्री मोदी का संदेश वीडियो स ीन पर दिखाया गया सर्वप्रथम मुख्य अतिथि शासन के सभी विभाग कर्मचारियों द्वारा सरस्वती पूजन किया गया विकसित भारत संकल्प यात्रा में जन प्रतिनिधि में भाजपा वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद प्रतिनिधि श्रीरामनारायण बड़कुर,श्री रामदयाल पटेल, नगर परिषद सालीचौका कार्यवाहक एवं पार्षद जितेन्द्र राय (जित्तू भैय्या) , जिला मंत्री जयप्रकाश वर्मा , रामदयाल पटेल ,पराग तिवारी ,रमेश कुमार नगपुरिया , हाकम सिंह वर्मा,ग्राम पंचायत सरपंच कमलेश कुमार सिलोकिया,उपसरपंच प्रतिनिधि मुकेश कुमार नगपुरिया , रामकुमार बड़कुर,भानुप्रताप वर्मा,मुकेश राय,नरेश अटरोइया,प्रीतम नामदेव मौजूद रहे वहीं शासकीय योजना का लाभ दिलाने हेतु शासन के प्रमुख विभाग के कर्मचारी अधिकारी , जिसमें नोडल अधिकारी विपिन साहब , डा. महेन्द्र पाल , गजेन्द्र वर्मा पटवारी, अंगनवाड़ी सुपरवाइजर सुश्री वंदना राजपूत, एच.एस सलामान पी एच ई , कुंदन सिंह मड़लोंई कृषि विभाग , श्रीमति आशा सोनी स्वास्थ्य विभाग, एवं म.प्र.जन अभियान परिषद से नवांकुर हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया से खुमान सिंह नगपुरिया ,ओमप्रकाश वर्मा , रामेश्वर वर्मा , जन शक्ति सेवा समिति अध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत , स्वप्निल , मोहन सिंह ,एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सदस्यों

धूमधाम से मनाई गई तारण-तरण जयंती श्री जिनवाणी की निकाली शोभायात्रा

बीना। मंगलवार को तारण-तरण जैन समाज द्वारा मंडलाचार्य महाराज की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पूर्ण बहुमान से त्रिदिवसीय कमलबत्तिसी ग्रंथराज का अस्थाप वांचन एवं तिलक महामहोत्सव एवं जिनवाणी पालकी शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसका पुण्यशाली सौभाग्य मोदी परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का आयोजन चिदानंद महाराज, मुक्तानंद महाराज एवं आत्म साधनारत श्री अमित भैया के सानिध्य में संपन्न किया गया। तारण-तरण समाज द्वारा जिनवाणी की शोभयात्रा निकाली गई जो इटवा तारण तरण चैत्यालय से प्रारंभ होकर सर्वोदय चौराहा, कॉलेज तिराहा, गांधी तिराहा, महावीर चौक, कच्चा रोड से होते हुये वापिस इटवा तारण-तरण चैत्यालय पहुंची। तारण तरण समाज के द्वारा संत तारण महाराज की 575 वी जयंती धूमधाम से मनाई। इस मौके पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। इस मौके पर तारण तरण जैन चैत्यालय में विशेष पूजन अर्चन किया गया और भव्य जिनवाणी

चल समारोह निकाला गया। मंदिर से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से यह शोभायात्रा निकली जो शांतिनाथ जिनालय होते हुए चैत्यालय पहुंची। यहां तारण तरण महाराज द्रा रचित ग्रंथ को विराजमान कर सभी लोगों ने पालना झुलाया और आरती उतारी। जगह-जगह आरती उतारी गई व रंगोली सजाई गई। शाम को मंगल प्रवचन महाआरती व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तारण-तरण जयंती के तहत रविवार को सुबह 9 बजे चैत्यालय तक जिनवाणी प्रभात फेरी निकाली गई। सुबह 9:30 बजे जिनवाणी अस्थाप, 9:45 बजे मंदिर विधि, वांचन प्रवचन, 10:15 बजे आरती चंदन प्रसाद प्रभावना, शाम 7:30 बजे आरती वांचन प्रवचन एवं 8 बजे संगीतमय भक्तांबर पाठक एवं फूलना भजन किये गये। इसी तरह सोमवार को सुबह 9 बजे से कार्यक्रमों का आरंभ किया गया जो रात्रि 8:30 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। मंगलवार को सुबह 8 बजे ध्वजा रोहण किया गया जिसके बाद 8:30 बजे से 11 बजे तक स्वल्पाहार का कार्यक्रम चलता रहा। 8:30 बजे श्री वृहद मंदिर विधि प्रारंभ किया गया, सुबह 10:45 बजे से वांचन, प्रवचन, उपरांत श्री तिलक महामहोत्सव, 11:30 बजे से श्री जिनवाणी पालकी शोभायात्रा निकाली गई। दोपहर 2:30 बजे से पात्र भावना तारण भवन से, दोपहर 2:30 बजे से सम्मान समारोह तारण भवन हॉल में आयोजित किया गया। रात्रि 07:30 बजे से आरती वांचन प्रवचन किये गये।

भाजपा ने किया तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बैनर्जी का पुतला दहन

सीहोर। बुधवार को भाजपा के आह्वान पर सीहोर भाजपा नगर मंडल के द्वारा संसद के बाहर विपक्षी सांसदों द्वारा उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री विवाद पर कोतवाली चौराहे पर तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बैनर्जी का पुतला दहन किया।

इस मौके पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष और नगर पालिका के अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि टीएमसी सांसद द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करना और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा निंदा करने की बजाय उसका वीडियो बनाना कांग्रेस के चरित्र को दर्शाता है।

उन्होंने करोड़ों जनता की भावनाओं का अपमान किया है देश चाहता है कि सोनिया गांधी

और राहुल गांधी माफी मांगे क्योंकि उन्होंने हमारे सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान किया है। कांग्रेस और गठबंधन लगातार भारत को अपमान करने का काम कर रही है क्योंकि इनके मन में भारत नहीं बल्कि इटली है इसलिए भारत के मान-सम्मान से इन्हें कोई लेना देना नहीं है। आज देश अपमानित हुआ है इन्हें देश से माफी मांगना चाहिए। बुधवार की शाम को भाजपा नेताओं ने शहर के कोतवाली चौराहे पर प्रदर्शन कर टीएमसी के सांसद ने संविधानिक पद पर बैठे उपराष्ट्रपति की मिमिक्री की। उसकी निंदा करने की जगह राहुल गांधी ने वीडियो बनाया। यह कांग्रेस का गंदा चरित्र है कि वह संविधानिक पद पर बैठे लोगों का अपमान करती है।

संविधान की धज्जियां उड़ाती है। इसके खिलाफ आज भारतीय जनता पार्टी ने पूरे देश में प्रजातंत्र की रक्षा के लिए और संविधानिक पद पर बैठे लोगों के स्वाभिमान की रक्षा के लिए पुतला दहन किया है। भाजपा प्रजातंत्र की हत्या नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि आज प्रजातंत्र की रक्षा के लिए लिए भाजपा आज सडक़ पर है। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान भाजपा महामंत्री राजकुमार गुप्ता, सन्नी महाजन, प्रदीप बिजोरिया, ब्रजमोहन सोनी, कन्हैया लाल मालवीय, राजेश पाटीदार, आशुतोष त्यागी, आशीष पचौरी, सुनील राय, गुलशन जैन, राजेश परिहार, पुष्पलता राठौर, सोनू ठाकुर, मोहन अग्रवाल, राकेश शर्मा, रोहित यादव, जगदीश, नीरज सरपंच, धर्मेन्द्र परमार, विशाल पाटीदार आदि शामिल थे।

अगले हफ्ते से शुरू होगी चयन प्रक्रिया

निर्माण कार्य के लिए भारत से मजदूरों को ले जाएगा इस्राइल

यरूशलम। इस्राइल के चयनकर्ताओं की एक टीम पिछले हफ्ते भारत दौरे पर आई थी और अब अगले हफ्ते एक अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल भारत के लिए रवाना होंगे। ये भारत में हजारों की संख्या में मजदूरों की भर्ती करेंगे जिससे कि इस्राइल में निर्माण उद्योग की भारी कमी की पूर्ति की जा सके। इस्राइल बिल्डर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है।

इस्राइल बिल्डर्स एसोसिएशन के डिप्टी डायरेक्टर जनरल और प्रवक्ता शे पुजनर ने कहा, %हम दिल्ली और चेन्नई में अगले हफ्ते 27 दिसंबर को प्रक्रिया शुरू करेंगे। फिलहाल हम सरकार की मंजूरी से 10,000 लोगों को ले जाएंगे और भविष्य में इसकी संख्या बढ़कर 30,000 तक होगी। इस प्रकिया में महीनों समय लग सकता है।

पुजनर ने बताया कि चयन की प्रक्रिया अगले हफ्ते से शुरू होगी, जो 10-15 दिनों तक चलेगी। इजैक गुरविट्ज के नेतृत्व वाली प्रतिनिधिमंडल मजदूरों के मुद्दों और चयन टीम को देख रही है। वह पिछले हफ्ते भारत में ही थे और अगले हफ्ते भी अन्य सदस्यों और सीईओ इगल स्लोविक के साथ फिर से भारत आएंगे। निर्माण और आवास मंत्रालय के महानिदेशक येहुदा मोर्गेस्टर्न भी इस दल में शामिल होंगे।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीफोन पर बात करते हुए इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत से इस्राइल में श्रमिकों को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया पर चर्चा की। पिछले महीने पुजनर ने मीडिया को बताया, हमें ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों की जरूरत है।

यह सरकार ही तय करेगी कि लापता मजदूर कहां से आएंगे। इस्राइल को निर्माण कार्य के लिए अधिक से अधिक मजदूरों की जरूरत है।

17 दिन पहले पैदा हुई बच्ची की भी गई जान

गाजा पट्टी में इस्राइल के हमलों में 45 की मौत

गाजा। वर्तमान में दुनिया दो बड़े युद्धों को झेल रही है। एक तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध, वहीं दूसरी ओर, इस्राइल-हमास के बीच चल रहा युद्ध। गाजा स्थित आतंकी समूह हमास द्वारा सात अक्तूबर को इस्राइल पर पांच हजार रॉकेट दागे गए थे। जिसमें कई इस्राइली नागरिकों की जान चली गई थी। गाजा से सटी इस्राइली सीमा पर लगे फेंसिंग को तोड़ हमास के आतंकी इस्राइल के शहरों में जा पहुंचे थे, जिसके बाद कई इस्राइली नागरिकों को बंधक बनाया गया था।

जवाबी कार्रवाई में इस्राइल द्वारा कई आतंकियों को ढेर किया गया था। गाजा में मौजूद हमास के ठिकानों को इस्राइली सेना द्वारा लगातार तबाह किए जा रहे हैं। गाजा पट्टी में इस्राइली सेना की कार्रवाई जारी है। मंगलवार को इस्राइली सेना ने गाजा के उत्तर में मौजूद दो अस्पतालों पर छापेमारी की। इस दौरान कई संदिग्ध कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया। इस पर इस्राइली रक्षा मंत्री ने कहा कि हम हमास के आंतकवादियों को पूरी तरह से खत्म करने का काम कर रही हैं। इस्राइली ने मंगलवार को दक्षिणी गाजा के शहरों पर हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम 45 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। इस्राइल के रक्षा मंत्री, योव गैलेंट ने चेतावनी दी कि गाजा के दक्षिण में अभियान जारी रहेगा। दक्षिणी शहर राफा के अस्पताल में दो बच्चों की मौत हो गई। बच्चों की दादी, सुजैन जोराब ने कहा, एक बच्चा महज दो हफ्ते का था, जिसका नाम का अभी पंजीकरण नहीं हो पाया था। उन्होंने रोते हुए कहा, मुझे समझ नहीं आता कि इन बच्चों की हत्या करके उन्हें क्या हासिल होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस्राइली हवाई हमले कई बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है। अब तक 20 हजार से ज्यादा फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई है। ढाई माह से लगातार इस्राइल गाजा क्षेत्र पर हमला कर रहा है। कई परिवारों, घरों को तबाह कर दिया गया हैं।

वहीं इस्राइल द्वारा जारी बयान में कहा गया कि गाजा में हमास के ठिकानों पर हमला किया जा रहा है। नागरिकों की मौतों पर हम जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमास के आतंकी दोषी हैं। वे बड़ी संख्या में आवासीय क्षेत्रों में मौजूद हैं।

गाजा में कार्रवाई को लेकर किया फैसला

मलयेशिया सरकार ने इस्राइली जहाजों पर लगाया प्रतिबंध

कुआलालंपुर। मलयेशियाई सरकार ने इस्राइल के स्वामित्व वाले और झंडे वाले जहाजों के साथ-साथ इस्राइल जाने वाले जहाजों पर भी अपने बंदरगाहों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय इस्राइल-हमास युद्ध में इस्राइल की कार्रवाई पर लिया गया है।

मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने घोषणा की, जिसमें फलस्तीनी लोगों के खिलाफ जारी क्रूरता का हवाला देते हुए कहा गया कि यह प्रतिबंध इस्राइल द्वारा मानवीय सिद्धांतों की अवहेलना और अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करने के बाद लगाया गया है।

मुस्लिम बहुल देश मलयेशिया का फलस्तीनी लोगों की वकालत करने का इतिहास रहा है। यह इस्राइल को मान्यता नहीं देता है। अक्तूबर में हमास आतंकियों द्वारा इस्राइल में हमले के बाद इस्राइली सैनिक लगातार गाजा में हमले कर रहे हैं। हाल ही में इस्राइली सैनिकों द्वारा गाजा में बमबारी करने के बाद मलयेशिया के पीएम पर दबाव बनाने के लिए वहां के लोगों ने रैलियां निकाली। मलयेशिया के पासपोर्ट में स्पष्ट रूप से लिखा होता है, इस्राइल को छोड़कर सभी देशों के लिए मान्य। इस्राइली नागरिकों को अनुमति के बिना मलयेशिा में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

मलयेशिया सरकार की घोषणा में बताया गया कि इस्राइली पंजीकृत कंपनियों और जाहाजों को 2005 से मलयेशिया में अनुमति दी गई थी, लेकिन अब मौजूदा सरकार ने पिछले कैबिनेट सरकार के इस फैसले को पलटने और इस्राइली जहाजों को मलयेशियाई बंदरगाहों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

डोनाल्ड ट्रंप को तगड़ा झटका, राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर लगी रोक, यूएस कोर्ट ने अयोग्य घोषित किया

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस की रेस के लिए चुनाव अभियान में जुटे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। कोलोराडो प्रांत की प्रमुख अदालत ने यूएस कैपिटल हिंसा मामले में मंगलवार को ट्रंप को राष्ट्रपति पद के लिए अयोग्य करार दिया। अदालत ने रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से व्हाइट हाउस की दौड़ के लिए प्रमुख दावेदार ट्रंप को राष्ट्रपति पद के लिए राज्य के प्राथमिक मतदान से हटा दिया है। इस फैसले से ट्रंप के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव लड़ना मुश्किल हो सकता है। अमेरिका के इतिहास में पहली बार है कि अदालत द्वारा 14वें संविधान संशोधन की धारा-3 का इस्तेमाल राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को अयोग्य ठहराने के लिए किया गया है। कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट ने 4-3 के बहुमत वाले अपने फैसले में कहा, अदालत के बहुमत का मानना है कि ट्रंप 14वें संशोधन की धारा-3 के तहत राष्ट्रपति पद संभालने के लिए अयोग्य हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जिस अदालत ने ट्रंप के खिलाफ फैसला दिया है, उसके सभी न्यायाधीश डेमोक्रेटिक पार्टी के गवर्नरों द्वारा नियुक्त किए गए थे। कोलोराडो प्रांत के सुप्रीम कोर्ट ने जिला अदालत के न्यायाधीश के निर्णय को पलटते हुए यह आदेश दिया। निचली अदालत ने कहा था कि ट्रंप ने 6 जनवरी, 2021 को कैपिटल (अमेरिकी संसद) पर हुए हमले के लिए भीड़ को हिंसा के लिए उकसाया था। लेकिन ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने से नहीं रोका जा सकता क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि संविधान की धारा राष्ट्रपति पद को कवर करती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले पर चार जनवरी तक या अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का मामले में फैसला आने तक रोक लगा दी। वहीं, इस फैसले के बाद अब अमेरिका की सर्वोच्च अदालत में यह तय करना चुनौतीपूर्ण होगा कि क्या ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से नामांकन की दौड़ में बने रह सकते हैं या नहीं।

तनाव के बीच एक चीनी गुब्बारे ने पार की ताइवान की सीमा, मचा हड़कंप

ताइपे। चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अब एक बार फिर चीनी गुब्बारे ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया है। दरअसल, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ताइवान जलडमरूमध्य में एक चीनी सैन्य निगरानी गुब्बारा और बड़े पैमाने पर भेजे गए सैन्य विमान एवं पोत देखे गए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सुबह छह बजे ताइवान के चारों ओर आठ चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के विमान और तीन पीएलएएन जहाजों के होने की जानकारी मिली। बाद में, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के आठ विमानों में से एक केजे-500 दक्षिण-पश्चिम में ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में घुस गया। मंत्रालय ने बताया कि ताइवान की सेना ने लड़ाकू विमानों, नौसेना के पोतों और भूमि-आधारित मिसाइल प्रणालियों के जरिए स्थिति पर नजर रखी। साथ ही जवानों को जवाब देने का काम सौंपा। गुब्बारे को लगभग 12,000 फीट ऊंचाई पर उड़ते हुए देखा गया। ताइवान में रक्षा मंत्रालय ने आगे कहा कि कीलुंग के 63 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम में ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार करने के बाद मंगलवार को एक पीआरसी के गुब्बारे का पता चला।

न खुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम, इंडिया गठबंधन में नीतीश की स्थिति पर उपेंद्र कुशवाहा का तंज

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन की कोई बैठक के बाद से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार कहीं ना कहीं खुद को अलग-थलग पा रहे हैं। उन्हें भी इस बात का एहसास होने लगा है कि भले ही उनके द्वारा विपक्षी एकता की कोशिश की गई, लेकिन अब पूरा का पूरा कमान कांग्रेस के हाथों में आ चुका है। यही कारण है कि बैठक के दौरान नीतीश के गुस्से को लेकर भी खबर निकलकर सामने आई है। नीतीश कुमार को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि गठबंधन में उनकी भूमिका को भी सीमित करने की कोशिश की जा रही है। इन सब के बीच कभी नीतीश कुमार के करीबी रहे और वर्तमान में एनडीए में मौजूद उपेंद्र कुशवाहा ने उन पर तंज कसा है। उपेंद्र कुशवाहा ने एक एक्स पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा कि इंडी गठबंधन में नीतीश जी की हालत पर एक शेर याद आता है, कि.......न खुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम, न इधर के रहे न उधर के हुए हम।। उन्होंने आगे लिखा कि अब तो इंडी गठबंधन ने नीतीश जी को पीएम उम्मीदवार बनाने से साफ मना कर दिया। इधर बिहार में लालू यादव जी भी नीतीश जी को सीएम कुर्सी छोड़ने का दबाव बनाएंगे और भाई साहब मान गए तो ठीक, नहीं तो राजद के लोग धकियाकर नीतीश जी को सीएम की कुर्सी से हटा देंगे।

जींद स्कूल प्रधानाचार्य मामले में आरोपों की जांच करेगी तथ्यान्वेषण समिति

नई दिल्ली। हरियाणा के शिक्षा मंत्री की अगुवाई वाली एक तथ्यान्वेषी समिति जींद के एक स्कूल में छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार प्रधानाचार्य के 2005 से 2023 तक के आचरण को लेकर विधानसभा में लगाए गए आरोपों की जांच करेगी। विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) ने मंगलवार को कांग्रेस विधायक गीता भुक्क ल के खिलाफ उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला द्वारा लगाए गए आरोपों के मामले को उच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश के पास जांच के लिए नहीं भेजने का भी फैसला किया और इसकी जांच अब तथ्यान्वेषण समिति करेगी। यौन उत्पीड़न मामले में पिछले महीने जींद के एक सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य की गिरफ्तारी के मुद्दे पर शुक्रवार को विधानसभा में चौटाला और भुक्क ल के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। चौटाला ने सदन में कहा था कि आरोपी प्रधानाचार्य पर 2005 और 2011 में भी इसी तरह के आरोप लगे थे, लेकिन उन्होंने 2011 में भुक्क ल के झज्जर स्थित आवास पर ''समझौता'' कर लिया था ताकि प्राथमिकी दर्ज ना हो।

दिन में सपने न देखें, चुनौतियों का सामना करें

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पद के लिए कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि खरगे देश के पहले दलित प्रधानमंत्री बन सकते हैं। हालांकि, इसके बाद कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष के बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह अच्छा होगा अगर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे विपक्षी इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे, लेकिन यहां दिन में सपने देखने से ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करनाहै। प्रियांक खरगे ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को लोकसभा में बहुमत हासिल करने पर जोर दिया और इसे विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चुनौती बताया है। प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर खरगे का नाम सामने रखने पर कई नेताओं समेत एमडीएमके नेता वाइको ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि खरगे ने कहा कि यहां जीत सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है और अभी विपक्षी गठबंधन की ताकत को बढ़ाना है।

सूखे की चपेट में अमेरिका का यह राज्य, अब गंदे पानी को रिसाइकल कर जलसंकट से निपटेगा

वॉशिंगटन। हर देश पानी की बर्बादी को रोकने के लिए कुछ न कुछ ठोस कदम उठा रहे हैं। इसी क्रम में, अमेरिका के कैलिफोर्निया ने भी पीने के पानी को बचाने का जिम्मा उठा लिया है। यहां कुछ सालों से जल संकट गहरा रहा है, इसलिए फैसला लिया गया है कि गंदे पानी को पीने के पानी में बदला जाएगा। नए नियमों के लिए वोटिंग की गई। वोटिंग के बाद कैलिफोर्निया के अधिकारियों ने मंगलवार को

नए नियमों को मंजूरी दे दी, जिससे एजेंसियां बेकार गंदे पानी को फिर से पीने योग्य पानी बनाकर घरों, स्कूलों और कार्यालयों में वापस पाइप के जरिए उसे छोड़ा जाएगा।

कैलिफोर्निया गंदे पानी को अच्छे पानी में बदलने की अनुमति देने वाला अमेरिका का दूसरा राज्य बनने के लिए तैयार है। यह एक ऐसे राज्य के लिए एक बड़ा कदम है, जिसने अपने 3.9 करोड़ से अधिक निवासियों के लिए पीने के पानी के विश्वसनीय स्त्रोतों को सुरक्षित करने के लिए दशकों तक संघर्ष किया है। यह कदम एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। पानी के संकट से गुजर रहे राज्य को राहत मिलने की उम्मीद है। पुनर्नवीनीकरण पानी की वकालत करने वाले समूह वेटरियूज के प्रबंध निदेशक जेनिफर वेस्ट ने कहा, कैलिफोर्निया में पानी बहुत कीमती है। यह महत्वपूर्ण है कि हम इसे एक से अधिक बार उपयोग करें।

अगर भाजपाई शराब को अच्छा समझते हैं, तो इसे अपने कार्यालय से बेचें

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन और क्रूज में शराब की बिक्री की अनुमति देने को लेकर बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि शराब और अपराध के बीच गहरा संबंध है और उन्होंने भाजपा को सुझाव दिया कि अगर वे इसे अच्छा समझते हैं तो इसे अपने कार्यालयों से बेचें। उन्होंने कहा कि भाजपाई इस तरह सार्वजनिक स्थलों को अराजकता और अपराध का केंद्र न बनाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने मंगलवार को 2024-25 के लिए अपनी आबकारी नीति को मंजूरी दे दी, जिसमें हवाई अड्डे, मेट्रो स्टेशन और रेलवे स्टेशन से शराब की बिक्री के प्रावधान की अनुमति है। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर अपनी एक पोस्ट में कहा, ''उप्र भाजपा सरकार के पास एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए क्या यही एक रास्ता बचा है कि शराब रेलवे, मेट्रो स्टेशन व क्रूज पर बेची जाए।''

स्कूल बैग को हल्का करने की पहल

कर्नाटक ने पाठ्यपुस्तकों को 2 भागों में विभाजित करने की योजना बनाई

नई दिल्ली। स्कूल बैग के वजन को कम करने के उद्देश्य से कर्नाटक सरकार ने कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तकों को दो भागों में विभाजित करने का प्रस्ताव दिया है। बोझ को 50 प्रतिशत तक कम करने का कदम अगले शैक्षणिक वर्ष से लागू होने की संभावना है। पूरे वर्ष के लिए सभी पाठ्यपुस्तकें एक साथ उपलब्ध कराने के बजाय, छात्रों को विभाजित पाठ्यपुस्तकें प्राप्त होंगी, जिनमें से प्रत्येक पाठ्यक्रम के एक विशिष्ट खंड के अनुरूप होगी। कर्नाटक के प्राथमिक शिक्षा मंत्री, मधु बंगारप्पा ने इस पहल के पीछे के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अध्याय 1 का अध्ययन करने के लिए, छात्रों को वर्तमान में पूरे वर्ष के लिए किताबें ले जाने की आवश्यकता होती है, जो बहुत अधिक अनावश्यक भार है। इसलिए, हमने पाठ्यक्रम को विभाजित किया है दो भाग। अंतिम आदेश 10 दिनों के भीतर जारी किया जाएगा, और हम आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए पाठ्यपुस्तकों के विभाजन को लागू करने की योजना बना रहे हैं। मंत्री बंगारप्पा ने इस बात पर जोर दिया कि नई योजना में माता-पिता के लिए केवल मामूली खर्च होंगे।

ईसीपी ने शुरू की आम चुनाव की प्रक्रिया, 22 दिसंबर तक जमा होंगे नामांकन पत्र, आठ फरवरी को होगा मतदान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) ने बुधवार को संभावित उम्मीदवारों से नामांकन पत्र स्वीकार करना शुरू कर दिया। इसके साथ आगामी आम चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शीर्ष चुनाव निकाय ने कहा कि उम्मीदवार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम 4.30 बजे तक ईसीपी से फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं और 22 दिसंबर तक अपने नामांकन पत्र को जमा कर सकते हैं।

देश में संसदीय चुनाव कराने का कार्यक्रम शुरू होने के साथ ही पहले ही दिन इस्लामाबाद के भीतर तीन निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 82 उम्मीदवारों को नामांकन पत्र मिले। जबकि, अन्य स्थानों से आंकड़े तत्काल उपलब्ध नहीं हो सके। प्रक्रिया के मुताबिक, चुनाव आयोग 23 दिसंबर को उम्मीदवारों की प्रारंभिक सूची जारी करेगा। जबकि नामांकन पत्रों की जांच 24 से 30 दिसंबर तक होगी।

शीर्ष चुनाव निकाय 13 जनवरी को दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित करेगा। यह आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से एक महीने पहले होगा। नए परिसीमन के बाद नेशनल असेंबली (एनए) में 336 सीटें होंगी। जिसमें 266 सामान्य सीटें, महिलाओं के लिए आरक्षित 60 सीटें और गैर-मुस्लिमों के लिए 10 सीटें शामिल हैं।

पाकिस्तान के एक प्रमुख समाचार पत्र की खबर के मुताबिक, नामांकन पत्र जमा करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए दिशा-निर्देश मंगलवार को जारी किए गए। इससे एक दिन पहले ईसीपी को राष्ट्रीय और प्रांतीय असेंबली दोनों के लिए नामांकन पत्र मिलने शुरू हो गए थे। नेशनल असेंबली के लिए चुनाव लड़ने वालों को नामांकन दस्तावेजों के साथ 30,000 रुपये जमा करने होंगे। जबकि प्रांतीय विधानसभा के लिए शुल्क 20,000 रुपये है। एक उम्मीदवार को कानूनी रूप से अधिकतम पांच नामांकन पत्र जमा करने की अनुमति है। नियमों के मुताबिक, पच्चीस या उससे ज्यादा की उम्र का कोई भी पाकिस्तानी नागरिक किसी भी नेशनल असेंबली की किसी भी सीट से चुनाव लड़ने का पात्र है। जबकि प्रांतीय असेंबली के उम्मीदवारों को संबंधित प्रांत का होना चाहिए।

एक अन्य प्रमुख अखबार की खबर के मुताबिक, कराची की 22 नेशनल असेंबली सीटों और 47 प्रांतीय सीटों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। जबकि 69 निर्वाचन अधिकारी और सात जिला निर्वाचन अधिकारी राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं के लिए तैनात किए गए हैं।

छोटी-सी तारीफ भी ... देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट'? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं। प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं।

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को ... भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आई। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है।

वजह स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती हैं। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लेवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादबच्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उन्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं। चैरिटी में आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं। चिल्ड्रेन होम आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें: जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे: आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव: खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

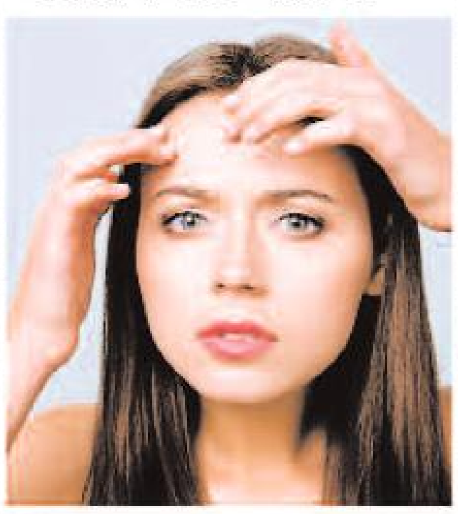

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीर आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीर आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें।

बिग बी ने दिखाई अपने नाती की झलक

जलसा के संडे दर्शन में बालीवुड के बिग यानि अमिताभ बच्चन के साथ इस बार एक बच्चा नजर आई। बिग बी के साथ ये बच्चा कोई और नहीं, बल्कि उनके छोटे भाई अजिताभ बच्चन की बेटी का बेटा था। नैना अमिताभ के छोटे भाई अजिताभ बच्चन की बेटी हैं। उन्होंने अभिनेता कुणाल कपूर से शादी की है। नैना और कुणाल फरवरी 2015 में शादी के बंधन में बंधे थे। सोशल मीडिया पर पीकू फेम अभिनेता ने एक कोलाज साझा किया, जिसमें अमिताभ के बेटे अभिषेक बच्चन को छोटा बच्चा का हाथ पकड़ते हुए देखा जा सकता है, जबकि उस बच्चा की मां पीछे से फोटो क्लिक कर रही हैं। अभिषेक ने वाइट टी शर्ट और मैचिंग जॉगर्स पहना हुआ है। कोलाज की दूसरी तस्वीर में अमिताभ वाइट शॉल ओढ़े अपने फैंस का अभिवादन कर रहे हैं, जो उनके आवास के बाहर उनका इंतजार कर रहे थे।कैप्शन में, अमिताभ ने हिंदी में लिखा, ताऊ, नाना को चली है पीढ़ी, देखने जलसा गेट पर... ये फाटक पर क्या गुल खिला है, देखें हम भी चलकर... ये भीड़ जमा क्यों होती है, आंखें चकित यूं घूरें... अम्मा गोदी, भागे भैया, नाना को दूर ही रखें।

दिशा ने दिखाई अपनी बेटी नव्या की झलक

छोटे परदे की एक्ट्रेस दिशा परमार ने अपनी बेटी नव्या की एक झलक सोशल मीडिया पर दिखाई और उसके पसंदीदा गेम का खुलासा किया। दिशा को अपनी बेटी के साथ खेलते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में उनकी बेटी के नन्हें पैरों की झलक देखने को मिल रही है। वह खेलते वक्त अपने छोटे-छोटे पैरों से किक मार रही है, इस दौरान दिशा अपने फेस को बेटी के पैरों के पास लाती हैं और इसे फेवरेट गेम बताती हैं। उन्होंने वीडियो को कैप्शन दिया-बेटी का नया पसंदीदा गेम किकिंग मम्मा है ! इस पोस्ट पर उन्होंने फिल्म बर्फी का गाने आशियां लगाया। दिशा परमार और राहुल वैद्य 2021 में शादी के बंधन में बंधे। कपल ने 20 सितंबर को अपने बच्चे का स्वागत किया।

कोरियोग्राफर की शादी में शामिल हुए सलमान खान

कोरियोग्राफर मुदस्सर खान की शादी में एक्टर सलमान खान शामिल हुए। इस शादी में आए मेहमान सलमान खान की सादगी के कायल हो गए। मुदस्सर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें सलमान शादी के दौरान उन्हें गले लगा रहे हैं। मुदस्सर ने क्लिप को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा-यह पल हमेशा मेरे दिल में रहेगा। धन्यवाद सर। कोरियोग्राफर ने सलमान के साथ रेडी, दबंग और बॉडीगार्ड जैसी फिल्मों में काम किया है। मुदस्सर ने रिया किशनचंदानी से शादी की। रविवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर शादी की तस्वीरें शेयर की। उन्होंने कैप्शन दिया, अल्हम्दुलिल्लाह, दुनिया की सबसे खूबसूरत इंसान रिया किशनचंदानी से शादी। हमारे सभी दोस्तों और प्रियजनों के समर्थन और प्यार के लिए हम दोनों के परिवारों की ओर से धन्यवाद। दुआ में याद रखना। बालीवुड के सुपर स्टार शादी में ब्लैक शर्ट और डेनिम में नजर आए, जिसमें वह काफी हैंडसम लग रहे थे। उन्होंने इवेंट में धमाकेदार एंट्री की।

संदीप के साथ काम करने के अवसर तलाश रही थीः इंदिरा

एक्शन थ्रिलर फिल्म एनिमल में काम करने को लेकर अनुभवी अभिनेत्री इंदिरा कृष्णन ने अपना अनुभव साझा किया। एक्ट्रेस ने कहा, फिल्म का हिस्सा बनना एक अद्भुत अनुभव था। निर्देशक संदीप रेड्डी के साथ काम करने के अवसर की तलाश में थी। दिलचस्प बात यह है कि मेरा चयन उन्होंने ही किया था। वह सभी प्राकृतिक अभिनेताओं को कास्ट करना चाहते थे। उन्होंने मुझे टीवी स्क्रीन पर देखा। मैंने कहानी में रश्मिका मंदाना की मां की भूमिका निभाई है। इंदिरा को हॉलीडे -ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी और तेरे नाम जैसी कई अन्य फिल्मों में अभिनय के लिए जाना जाता है। रश्मिका और रणबीर के साथ स्क्रीन साझा करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने आगे कहा, रश्मिका सिर्फ एक खूबसूरत गुड़िया हैं, हमने एक प्यारा बंधन साझा किया। रणबीर प्यारे हैं। उनके प्रति अपार सम्मान और समर्पण था। उन्होंने कहा, रश्मिका कभी-कभी बहुत निराश होकर मुझसे उनकी मदद करने के लिए कहती थी। युवा पीढ़ी को उनसे बहुत कुछ सीखना चाहिए।

डंकी के लिए पहले गाना लिखा, फिर धुन बनाईः जावेद अख्तर

बॉलीवुड के मशहूर पटकथा लेखक ने कहा

बालीवुड के मशहूर पटकथा लेखक और गीतकार जावेद अख्तर ने फिल्म डंकी के गाने निकले थे कभी हम घर से के बोल तैयार किए हैं। जावेद अख्तर ने कहा कि कई गानों के विपरीत जहां धुन पहले बनाई जाती है और गीतकारों को धुन पर लिखने के लिए कहा जाता है, संगीतकार प्रीतम ने उनसे उस धुन के लिए पहले गीत लिखने का अनुरोध किया था जिसे वह बाद में रचनात्मक प्रक्रिया में लिखेंगे।

डंकी के निर्माताओं ने निकले थे कभी हम घर से के रूप में रिलीज किया, जिसे सोनू निगम ने खूबसूरती से गाया है। रचनात्मक प्रक्रिया के बारे में बताते हुए, जावेद अख्तर ने कहा, इस फिल्म में, मेरे पास केवल एक गाना है और दिलचस्प बात यह है कि राजू हिरानी ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि हमने इस गाने को शामिल किया और उन्होंने विशेष रूप से मुझसे इसे लिखने का अनुरोध किया। मुझे उम्मीद है कि आप गाने का आनंद लेंगे, क्योंकि यह अपनी विशिष्ट स्थिति के कारण अनोखा है। उन्होंने आगे उल्लेख किया, आम तौर पर, मैं धुन तैयार होने के बाद गीत लिखता हूं, लेकिन प्रीतम ने उदारतापूर्वक सुझाव दिया कि मैं पहले गीत लिखूं, और वह उसके अनुसार संगीत तैयार करेंगे, और उन्होंने इसके साथ शानदार काम किया। सुपरस्टार निर्देशक राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित डंकी में बोमन ईरानी, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर भी हैं। जियो स्टूडियोज, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स प्रस्तुति, राजकुमार हिरानी और गौरी खान द्वारा निर्मित, यह फिल्म अभिजात जोशी, राजकुमार हिरानी और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखी गई है। डंकी 21 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में आने वाली है। बता दें कि देश भर में जावेद अख्तर शोले, बॉर्डर, जंजीर, डॉन, लक्ष्य और अन्य फिल्मों में अपने बेहतरीन काम के लिए जाने जाते हैं।

द आर्चीज के प्रीमियर में बेटी सुहाना संग शाह रुख का सालों पुराना सपना हुआ पूरा

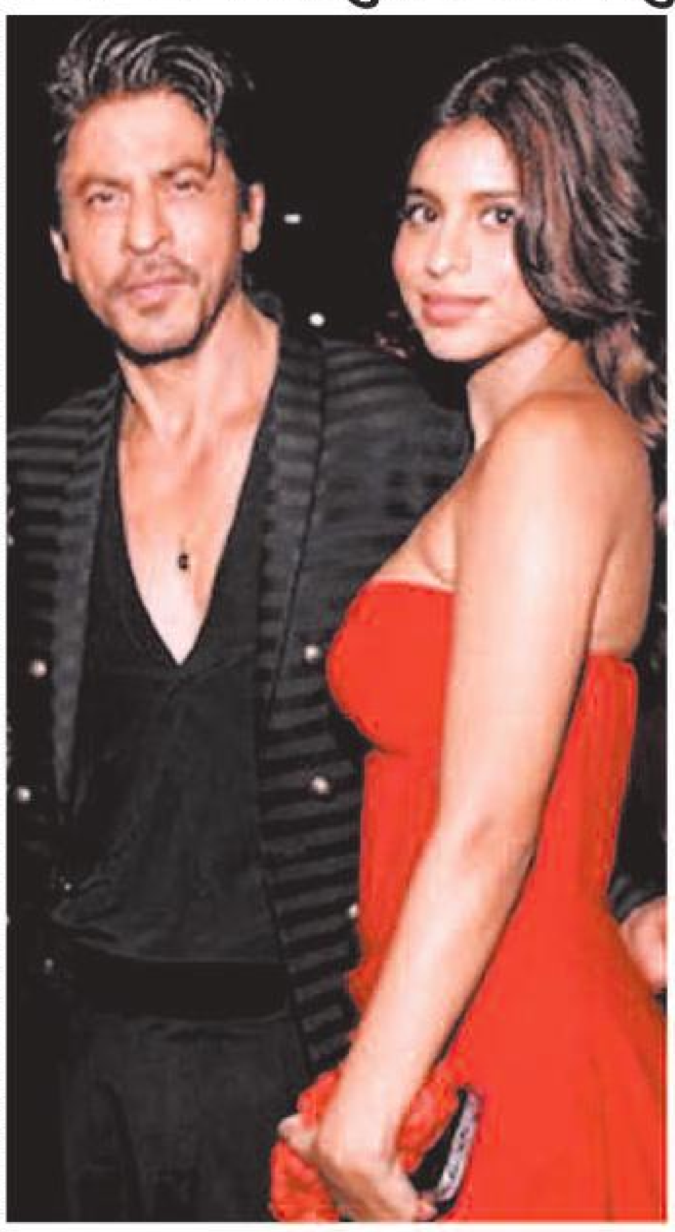

शाह रुख खान के लिए साल 2023 सुपरहिट साबित हुआ।इस साल अब तक उनकी दो फिल्म रिलीज हुई और पर्दे पर हिट हुई।वहीं तीसरी फिल्म 21 दिसंबर को रिलीज होगा।एक्टर की फिल्म रिलीज से पहले किंग खान की बेटी सुहाना खान की डेब्यू फिल्म रिलीज होने जा रही है।मंगलवार को ग्रैंड प्रीमियर हुआ।

इस शाह रुख खान अपने पूरे परिवार के साथ बेटी को चीयर करने पहुंचे थे। बता दें, किंग खान अपनी लाडली से बेहद प्यार करते हैं। कई इंटरव्यू में उन्होंने सुहाना के जिक्र भी किया हुआ है। इस बीच अब उनका एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमे उन्होंने बेटी सुहाना को लेकर अपनी एक इच्छा जाहिर की थी।

शाह रुख का सालों पुराना सपना हुआ पूरा

शाह रुख खान इस वक्त सातवें आसमान पर हैं क्योंकि कल यानी 7 दिसंबर को उनकी बेटी सुहाना का बॉलीवुड डेब्यू होने जा रहा है। फिल्म रिलीज से पहले 5 दिसंबर को द आर्चीज़ का प्रीमियर रखा गया। इस मौके पर शाह रुख बेटी सुहाना का हाथ थामे कार्पेट पर चलते दिखे। इस मौके पर सुहाना रेड कलर के खूबसूरत गाउन में नजर आई थी। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर किंग खान का 12 साल पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि, सच कहूं तो मेरी बेटी की तबीयत ठीक नहीं है और मैं चाहता था कि वो यहां मेरे साथ रेड गाउन में होती, मेरे साथ रेड कार्पेट पर चलती, लेकिन वो अभी ठीक नहीं है। अब 12 साल बाद एक्टर का ये सपना पूरा हो गया है।

भगवान विष्णु की भूमिका में नजर आएंगे प्रियम गुज्जर

छोटे परदे के अभिनेता प्रियम गुज्जर अब आगामी पौराणिक शो कर्माधिकारी शनिदेव के कलाकारों में शामिल हो गए हैं। इस शो में वे भगवान विष्णु की भूमिका में नजर आएंगे। उन्होंने कहा, मेरे आखिरी शो मिठाई के बाद, जो पिछले साल बंद हो गया था, मैं लगभग एक साल बाद टीवी स्क्रीन पर वापसी कर रहा हूं।

मैं इस बीच ओटीटी को एक्सप्लोर कर रहा था और म्यूजिक वीडियो में भी अभिनय किया। लेकिन भगवान विष्णु का किरदार निभाना हमेशा से एक सपना था और मैं इस अवसर के लिए निर्माताओं का आभारी हूं। प्रियम गुज्जर को लगता है कि पौराणिक शो टीवी स्क्रीन पर चमत्कार करते हैं। टीवी दर्शकों ने हमेशा पौराणिक शो देखने का आनंद लिया है। और, ऐसे शो घरेलू स्क्रीन पर चमत्कार करते हैं।

मैंने पहले लक्ष्मण की भूमिका निभाई है और इससे मुझे दर्शकों से जुड़ने में मदद मिली। और, अब मैं सर्वोच्च शक्ति, भगवान विष्णु की भूमिका निभाकर खुश हूं। वह हर पौराणिक कहानी का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। मैं इसे अपने अभिनय करियर के लिए एक आशीर्वाद के रूप में देखता हूं। प्रियम इससे पहले कलीरें, इश्कबाज, श्रीमद्भागवत महापुराण जैसे टीवी शो का हिस्सा रह चुके हैं। प्रियम को हाल ही में ऐतिहासिक फिक्शन ड्रामा पौरशपुर सीजन 2 में भी देखा गया था।

कपिल शर्मा एवं सुनील ग्रोवर ने फिर मिलाया हाथ

नए कॉमेडी शो से दोनों मिलकर मचाएंगे धमाल!

छोटे परदे के 'द कपिल शर्मा शो' के पुराने सहयोगी एवं मशहूर कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने 6 साल पुराने मतभेद को समाप्त करके कपिल शर्मा की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। नेटफ्लिक्स के लेटेस्ट वीडियो में कपिल शर्मा अपने फैंस के सामने जबरदस्त सरप्राइज का खुलासा करते नजर आ रहे हैं।

सुनील ग्रोवर के साथ उनका याराना देखकर फैंस खुश हैं। कॉमेडियन ने नेटफ्लिक्स के कॉमेडी शो के लिए कपिल शर्मा से हाथ मिलाया है। आप वीडियो में कपिल को कहते सुन सकते हैं- 'अब परिवार पूरा हुआ।' इस ऐलान से सुनील ग्रोवर और कपिल शर्मा के फैंस बेहद रोमांचित हो गए हैं, जो सालों से दो बड़े कॉमेडियन की जुगलबंदी को स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं। सुनील ग्रोवर 'द कपिल शर्मा शो' में गुत्थी और डॉक्टर मशहूर गुलाटी के किरदारों से घर-घर लोकप्रिय हो गए थे, हालांकि कॉमेडियन ने 2018 में अचानक कॉमेडी शो छोड़कर सबको हैरान कर दिया था। दरअसल, सुनील और कपिल शर्मा ऑस्ट्रेलिया टूर के बाद जब भारत लौट रहे थे, तब फ्लाइट में उनकी लड़ाई हो गई थी। कपिल शर्मा ने 'फिरंगी' के ट्रेलर लॉन्च के वक्त सुनील के साथ अपनी लड़ाई के बारे में विस्तार से बताया था। कपिल शर्मा ने कुबूल किया था कि वे ऑस्ट्रेलिया में हुए शो की वजह से काफी तनाव में थे। तब 'फिरंगी' के कलाकारों ने उनके तनाव को और बढ़ा दिया था। कपिल शर्मा ने कहा था, 'मैं सुनील के साथ कभी लड़ा नहीं। मैं इंडस्ट्री के बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करना पसंद करता हूं। जब मैंने कॉमेडी सर्कस में काम करना शुरू किया था, तब मैंने मेकर्स से सुनील को कास्ट करने लिए कहा था, जिनसे मैं 'हंस बलिये' में मिला था। जब आप बेहतरीन लोगों के साथ काम करते हैं, तो आपको बहुत कुछ सीखने को मिलता है।' दरअसल, नेटफ्लिक्स ने कपिल शर्मा के साथ एक कॉमेडी शो को लेकर साझेदारी की है। वे अपने शो 'द कपिल शर्मा शो' के साथियों अर्चना पूरन सिंह, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और राजीव ठक्कर के साथ अपने नए कॉमेडी शो से दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं।

टाइगर 3 की शूटिंग के दौरान इस बात पर खूब रोई थीं कटरीना कैफ, प्रोड्यूसर-डायरेक्टर को कह दी थी ये बात

कटरीना कैफ- सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 पिछले महीने 12 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अविनाश सिंह राठौर बनकर दबंग खान ने जहां अपना भरपूर एक्शन दिखाया, तो वहीं कटरीना कैफ के कई सीन्स भी सोशल मीडिया पर चर्चा में आए। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सफलता भी मिली। टाइगर 3 के सबसे चर्चित सीन्स में से एक सीन वह था, जो कटरीना कैफ और हॉलीवुड स्टार मिशेल ली के बीच फिल्माया गया था। इस सीन ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। अब हाल ही में कटरीना कैफ ने बताया कि इस सीन की शूटिंग से पहले वह काफी एक वजह से काफी रोई थीं।

टाइगर 3 के टॉवल सीन को शूट करने से पहले रो पड़ी थीं कटरीना कैफ

कटरीना कैफ और सलमान खान की जोड़ी टाइगर 3 में एक लंबे समय के बाद नजर आई। हाल ही में बॉलीवुड डीवा कटरीना कैफ जेद्दाह में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अटेंड करने पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म टाइगर 3 को लेकर बहुत सारी बातें की। कटरीना कैफ ने अपने टावल सीन और एक्शन सीक्वेंस के बारे में बात करते हुए कहा, सलमान खान और कटरीना कैफ की टाइगर 3 में इन दोनों स्टार्स के अलावा इमरान हाशमी ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी, जो मूवी में दबंग खान के साथ भरपूर एक्शन दिखाते हुए नजर आए थे। 12 नवंबर को रिलीज हुई टाइगर 3 ने इंडिया में 23 दिनों में अब तक 281 करोड़ की हिंदी-तमिल और तेलुगु भाषा में कमाई की है, तो वहीं वर्ल्डवाइड सलमान खान-कटरीना कैफ की मूवी ने 463 करोड़ का टोटल बिजनेस किया है।

मैं तो अभी भी बच्चा हूंः शाहरुख खान

हाल ही में एक्स पर बालीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान के आस्क एसआरके सेशन के दौरान एक यूजर ने पूछा, सर आपको दिल्ली की याद आती है क्या? अपने बचपन के बारे में बताइये? शाहरुख ने जवाब दिया, मैं तो अभी भी बच्चा हूं। मेरा बचपन बहुत प्यारा था और मुझे अपने माता-पिता की बहुत याद आती है। एक यूजर ने लिखा, सॉरी सर, लेकिन मैं डंकी के लिए ज्यादा एक्साइटिड हूं। आपकी वजह से नहीं बल्कि राजकुमार हिरानी की वजह से। उसी का जवाब देते हुए शाहरुख ने कहा, और, यह सही कारण है। मैं राजू की फिल्म में काम करने को लेकर भी उत्साहित हूं। फिल्में निर्देशकों का माध्यम है... हीरो तो आते-जाते रहते हैं। एक अन्य फैन ने पूछा- सर चूंकि फिल्म पंजाब में सेट है। आपका पसंदीदा पंजाबी फूड कौन सा है? कुछ कुछ होता है फेम अभिनेता ने कहा- मैं पराठे खाता हूं... और, छोले भटूरा भी मेरे पसंदीदा हैं।

सुपरस्टार निर्देशक राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित डंकी जियो स्टूडियोज, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स की प्रस्तुति है, जो राजकुमार हिरानी और गौरी खान द्वारा निर्मित है, फिल्म अभिजात जोशी, राजकुमार हिरानी और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखी गई है। यह 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में आने वाली है। डंकी डंकी फ्लाइट नामक अवैध आव्रजन तकनीक पर आधारित है, जिसमें तापसी पन्नू, विक्की कौशल और बोमन ईरानी ने अभिनय किया है।

जनपद पंचायत नौगांव के सीईओ भागीरथ तिवारी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

जिला सीईओ ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी की गठित

जनपद अध्यक्ष नौगांव हेमलता पाठक ने जनसुनवाई में जनपद नौगांव सीईओ भागीरथ तिवारी पर भ्रष्टाचार के लगाए गंभीर आरोप

छतरपुर। छतरपुर जिले में विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। जनप्रतिनिधियों को धता बताकर अधिकारी खुलेआम भ्रष्टाचार करने में आमादा हैं। मंगलवार को जनसुनवाई में नौगांव जनपद की अध्यक्ष हेमलता और उनके पति राकेश पाठक ने प्रभारी कलेक्टर तपस्या सिंह परिहार को एक आवेदन दिया। जिसमें उन्होंने अपनी ही जनपद के सीईओ भागीरथ तिवारी पर 10 से 15 परसेंट कमीशन लेने के गंभीर आरोप लगाए हैं। हेमलता ने पत्र में उल्लेख किया है कि जनपद के सहायक यंत्री के सभी अधिकार जनपद सीईओ अपने पास रखे हुए हैं एवं कोई भी कार्य स्वीकृत कराने व टीएस जारी करने के एवज में कमीशन लिया जाता है। यहां तक कि जनपद की कैशबुक भी अध्यक्ष को नहीं बताई जाती है। जनपद सीईओ का कहना है कि अध्यक्ष जनपद के किसी भी मामले में हस्ताक्षेप नहीं कर सकते। पत्र में उल्लेख किया गया है श्रीमती हेमलता ने जनपद के सीईओ के द्वारा कार्य शुरु कराने से लेकर उपयोगिता प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में अलग अलग बार से कई बार कमीशन वसूल किया जाता है। लगभग 90 लाख रुपए की राशि का गबन किया गया है। फर्जी बिलों के माध्यम से जनपद की राशि का आहरण किया गया है। इस संबंध में जनपद अध्यक्ष के पति राकेश पाठक ने चर्चा के दौरान बताया कि इस संबंध में शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं लोकायुक्त सागर में भी की गई है। राकेश पाठक का कहना है कि जब से भागीरथ तिवारी जनपद में पदस्थ हुए हैं तब से भ्रष्टाचार खुलकर हो रहा है। चुनाव में व्यस्तता होने का भरपूर लाभ जनपद सीईओ ने उठाया है मगर अब चुनाव संपन्न होने के बाद जनपद को भ्रष्टाचार से मुक्त किया जाएगा। यदि जनपद सीईओ समय रहते नहीं सुधरते हैं तो इसका खामियाजा उनको भुगतना पड़ सकता है। हालांकि जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी तपस्या परिहार जो कि वर्तमान में कलेक्टर के प्रभार में थीं उन्होंने इस शिकायती पत्र को तत्काल संज्ञान में लेते हुए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी है। जिसमें कोषालय अधिकारी विनोद श्रीवास्तव अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी चन्द्रसेन सिंह के अलावा एक अधिकारी को और नियुक्त किया है। यह जांच कमेटी अपनी जांच एक हफ्ते के अंदर देगी। इस शिकायती पत्र के बाद से जिला पंचायत और अन्य जनपदों में हडकंप मचा हुआ है। फिलहाल भागीरथ तिवारी के ऊपर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं और यह आरोप कितने सार्थक होंगे यह आने वाला समय बतलाएगा।

इस संबंध में जनपद पंचायत के सीईओ भागीरथ तिवारी से दूरभाष पर चर्चा हुई तो उन्होंने बताया कि राकेश पाठक के द्वारा चुनाव में डेढ़ करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं वह शासकीय योजनाओं के माध्यम से वसूल करने मे लगे हुए हैं और उनका कहना है कि जनपद में मेरे हिसाब से काम होंगे। उनके द्वारा जो भी आरोप लगाए गए हैं वह पूरे निराधार हैं। शासकीय योजनाओं का लाभ नियम के अनुसार पात्र हितग्राही को ही मिलेगा।

शहडोल पुलिस ने अवैध खनिज का परिवहन करते 02 वाहनों को किया जप्त

शहडोल। थाना बुढार क्षेत्रांतर्गत दिनांक 19.12.23 को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि चूना गढी धनगवां में अवैध कोयला उत्खनन कर एक डग्गी में लोड कर बिक्री करने हेतु ग्राम जमुआ तरफ ले जा रहा है। सूचना पर बुढार पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचे तो एक डग्गी मय कोयला लोड आते दिखा। वाहन को रोकवाकर चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सूरज विश्वकर्मा उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम जमुआ का होना बताया। आरोपी चालक से कोयला एवं वाहन के संबंध में दस्तावेज मांगने पर उसने कोई वैध दस्तावेज न होना बताया।

पूछताछ में आरोपी चालक ने बताया कि उक्त वाहन का मालिक कमलेश महरा है। उक्त कोयला ग्राम चूनागढी से प्रताप सिंह, दुर्गा यादव, श्यामलाल बैगा, अजय बैगा के द्वारा अवैध रूप से खोदकर वाहन में लोड कराये हैं। जिस पर उक्त वाहन को मय कोयला के जप्त कर उक्त सभी आरोपियों के विरूद्ध भादवि, मोटर व्हीकल एक्ट एवं खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बुढार के नेतृत्व में प्रआर0 जवाहर सिंह एवं आर0 बलभद्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत दिनांक 19.12.23 को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक डग्गी में अवैध रूप से रेत लोड कर बिक्री करने हेतु कल्याणपुर तरफ आने वाला है। सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचे तो एक व्यक्ति डग्गी क्रमांक सीजी 12 एटी 7554 मय रेत लोड आते दिखा। जिसे रोककर पूछताछ करने पर वाहन चालक ने अपना नाम श्रीलाल बैगा उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम पिपरिया का होना बताया। आरोपी से उक्त रेत के संबंध में दस्तावेज मांगने पर उसने कोई वैध दस्तावेज न होना बताया। जिस पर उक्त वाहन को मय रेत लोड जप्त कर आरोपी चालक एवं वाहन मालिक छैंकलाल यादव निवासी पिपरिया के विरूद्ध भादवि एवं खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में सउनि0 सुरेश कुमार अहिरवार, रामराज पाण्डेय एवं आर0 हृदेश भादौरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जनता जनार्दन के लिए हो सुगम व्यवस्था : जयंती तिवारी

मैहर। विधानसभा में भाजपा समर्पित इकलौती जिला पंचायत सदस्या जयंती महेश तिवारी जिन्होंने जनता को ही प्रथम प्राथमिकता दी है,जिस कारण राजनीतिक विरासत न होने के बाद भी जनता ने उन्हें करीब 50-60 गांवो का प्रतिनिधि बना दिया, जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 10 की सदस्य जयंती तिवारी ने उपार्जन केन्द्र सेवा सहकारी समिति कुसेड़ी में धान उपार्जन का शुभारंभ कई क्षेत्रीय वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में करवाया,साथ बेरमा सहित कई ग्रामों में निर्माणधीन पानी की टंकी सहित अन्य विकास के कार्यों का निरीक्षण कर ठेकेदार को गुणवत्ता पूर्वक कार्य करवाने के निर्देश दिए और चेताया अगर ग्रामीणों को खाना पूर्ति लगा या गुणवत्ता विहीन कार्य की शिकायत उनके पास आती है तो ठेकेदार और संबंधित विभाग के अधिकारियों को नही छोड़ा जायेगा!

बांधवगढ किले के पास मिला मेल टाइगर का शव,घटना स्थल से हिंसक टाइगर्स को हाथियों ने खदेड़ा

उमरिया। बांधवगढ टाइगर रिज़र्व के ताला वन परिक्षेत्र में 7 वर्षीय नर बाघ का शव गश्ती के दौरान पार्क टीम ने सुबह करीब 11 बजे देखा है,जिसके बाद से ही पार्क अधिकारियों में हड़कप मच गया ।बताया जाता है कि किला रोड पर स्थित शेषशैय्या बीट के रिज़र्व फारेस्ट क्रम 317 में मिले मृत नर बाघ के सर,गले,कंधे एवम पीठ पर गम्भीर चोट के निशान है। *इस पूरे मामले में पार्क प्रबन्धन देर रात प्रेस नोट तो जारी कर दिया है,पर आधिकारिक रूप से मृत बाघ की कोई भी तस्वीर मीडिया जनों को नही दी गई है,जो बाघ के मौत और परिस्थितियों पर सवाल खड़े करते है।* बीटीआर के डिप्टी डायरेक्टर पीके वर्मा ने इस पूरे मामले को टेरिटरी से जुड़ा मामला बताया है,जिसमे दो बाघों की आपसी भिड़ंत में 7 वर्षीय नर बाघ की मौत हुई है ।उन्होंने यह भी बताया कि घटना स्थल के करींब अन्य नर बाघों के पगमार्क मिले है,जो टेरिटरी के लिए आपसी भिड़ंत के साक्ष्य के रूप में प्राथमिक दृष्ट्या समझे जा सकते है।

सम्भावित जम्भोल टाइगर की मौत : ताला क्षेत्र में अधिकांशत: खितौली महावन से आये बजरंग बाघ और शेषशैय्या बाघिन के बीच के शावकों की मूवमेंट दिखती रहती रही है,पर अभी हाल में मगधी रेंज से जम्भोल मेल टाइगर की आमद हुई थी,जिसकी लोकेशन चकरधरा में अभी हाल में रही है ।जिससे कयास लगाया जा रहा है कि जम्भोल और बजरंग के शावकों के बीच टेरेटरी को लेकर आपसी भिड़ंत में 7 वर्षीय बाघ की मौत हुई है ।बजरंग और शेष शैय्या बाघिन के बीच के 2 बाघ और एक बाघिन शावक रहे है,जो फिलहाल डेढ़ से दो वर्ष के जवान बाघ-बाघिन हो चुके है ।आपको बता दे शेषशैय्या बाघिन 2015 की है,जो अक्सर शेषशैय्या के इर्द गिर्द ही रहती है,जो अब तक अनुमानत: दो या तीन बार प्रजनन कर चुकी है,अभी वर्तमान में इन्ही शावकों की लोकेशन शेषशैय्या, बड़ी गुफा और गोपालपुर पहाड़ी के पास दिखती रही है,कुल मिलाकर संभावना जताई जा रही है कि मृत बाघ जम्भोल मेल टाइगर हो सकता है,हालांकि टाइगर आईडी को लेकर आधिकारिक बयान फिलहाल देर रात तक नही आ सके है।

बताया जाता है कि 7 वर्षीय टाइगर की मौत के बाद गश्ती दल ने इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी थी,पर जब उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे।

अधिमान्य पत्रकार नेतृत्व समिति के जिला अध्यक्ष उमरिया नियुक्त हुए शर्मा

उमरिया। जिला उमरिया अधिमान्य पत्रकार नेतृत्व समिति के प्रदेशाध्यक्ष श्री डल्लू कुमार सोनी जी की अध्यक्षता में स्थानीय बिरसिंहपुर पाली में बैठक आयोजित की गई जिसमे सर्व प्रथम उपस्थित सभी सदस्यों ने माता विरासनी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया इसके उपरांत बैठक आयोजित की गई। जिसमे प्रदेशाध्यक्ष डल्लू कुमार सोनी जी की अनुशंसा पर जिला उमरिया के पत्रकार नारेन्द्र शर्मा को सर्वसम्मति से अधिमान्य पत्रकार नेतृत्व समिति का उमरिया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया वही पत्रकार योगेश खंडेलवाल को जिला उमरिया ब्लाक अध्यक्ष,आकाश प्रजापति को सदस्य मनोनित करते हुए जल्द ही जिले की सदस्य कार्यकरणी का गठन किया जाना सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के पत्रकार साथियों के साथ साथ मंडला, डिंडोरी के विभिन्न अखबारों चैनलो के वरिष्ठ पत्रकार साथियों ने बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई साथ ही अधिमान्य पत्रकार नेतृत्व समिति के प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में सदस्यों को एकजुट हो समिति की मजबूती के साथ जनहितार्थ कार्य किए जाने की सपथ ली गई

अब बाघिन की मौत,वन प्रेमियों की चिंता बढ़ी

बांधवगढ टाइगर रिज़र्व के पोंडी सर्किल के पास 24 घण्टे के अंदर एक दूसरे बाघिन के मौत की खबर है,सूत्रों की माने तो बुधवार की सुबह मृत अवस्था मे मिली बाघिन करींब 10 वर्ष की है ।कयास लगाए जा रहे है कि मंगलवार को मिले 7 वर्षीय मृत नर बाघ और बाघिन का आपसी संघर्ष हुआ है,जिसमे एक बाघ और एक बाघिन की मौत हुई है ।आपको बता दे 24 घण्टे पहले यानी मंगलवार को भी घटना से दो किमी दूर 7 वर्षीय एक नर बाघ का शव मिला था,जिसके बाद से ही पार्क अमला दूसरे घायल बाघ की निगरानी कर रहा था,इसी बीच ताला रेंज के आरएफ़ 315 बीट-महावन में 7 वर्षीय बाघिन का शव मिला है ।सूत्रों की माने तो मृत बाघिन का शरीर क़ई जगह से गम्भीर रूप से चोटिल है,माना जा रहा है कि आपसी संघर्ष के बाद गम्भीर जख्म और अत्यधिक रक्त स्त्राव से टाइग्रेस की मौत हुई होगी ।साल भर के अंदर दर्जन भर से अधिक बाघों की मौत वन्य प्रेमियों के लिए बहुत चिंता का विषय है ।बांधवगढ टाइगर रिज़र्व से 24 घण्टे के अंदर दो बाघों की मौत बड़ा सवाल है,अभी तक आधिकारिक रूप से डेथ टाइगरस को लेकर यह भी साफ नही है कि ये कौन से टाइगर है,जिनकी मौत हुई है,हालांकि अपुष्ट सूत्रों की माने तो मंगलवार को मृत मिला 7 वर्षीय नर बाघ के बजरंग बाघ होने की संभावना जताई जा रही है,वही बुधवार को मिले मृत 10 वर्षीय बाघिन को शेषशैय्या वाली बाघिन के रूप में देखा जा रहा है,दरअसल शेषशैय्या वाली बाघिन 2015 से इस क्षेत्र में एक्टिव रही है,जिस वजह से 10 वर्षीय मृत बाघिन को शेषशैय्या वाली बाघिन के रूप में देखा जा रहा है,हालांकि ऐसी संभावना है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा योजनाओं को लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचाने का किया जा रहा कार्य

अनूपपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा 19 दिसम्बर को जनपद पंचायत अनूपपुर के ग्राम पंचायत परासी तथा लतार, जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत धनगवां पश्चिमी तथा बिजौड़ी, जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत विचारपुर तथा निगवानी, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत मिट्ठूमहुआ तथा धुराधर पहुंची।

जहां ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के माध्यम से लोगों को विभिन्न केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं का लाभ, लक्षित लाभार्थियों, खास तौर से वंचित व आकांक्षी लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। यात्रा का उद्देश्य जन सामान्य में योजनाओं का प्रचार प्रसार एवं जागरूकता पैदा करना है। वंचितों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। लाभार्थियों के व्यक्तिगत कहानियों एवं अनुभव साझा करने के माध्यम से सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी एकत्रित की जा रही है। यात्रा के दौरान प्राप्त आवेदनों के आधार पर संभावित लाभार्थियों का नामांकन व चयन भी किया जा रहा है।

यात्रा के माध्यम से आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, पीएम पोषण योजना, हर घर जल "जल जीवन मिशन", जन-धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना, नैनो उर्वरक का उपयोग, स्वाईल हेल्थ कार्ड, उन्नत कृषि यंत्र वितरण आदि का लाभ प्रदान करने के उद्देष्य से स्टॉल लगाकर जानकारी देने के साथ ही हितग्राहियों से पात्रतानुसार आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। ग्राम परासी, लतार ड्रोन प्रदर्शन के साथ ही कृषकों को उन्नत खेती की दी गई जानकारी।

जुआ सट्टा कबाड़ अवैध शराब का खेल क्षेत्र में जारी

बिजुरी। थानाक्षेत्र में अवैध रूप से संचालित जुआ, सट्टा और कबाड़ कारोबार पर बिजुरी पुलिस द्वारा कार्यवाई नही किऐ जाने से, यह तीनों अवैध कारोबार थानाक्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर तेजी से फल-फूल रहा है। सूरज कि रौशनी में जुआड़ी जहां प्रतिदिन कोरजा, कपिलधारा सहित आसपास के जंगल झाड़ियों में बावन परी के खेल में किस्मत आजमा रहे हैं वहीं रात के अंधेरे में एकत्रित होकर यह जुआडी़ नगर के एक घर में पूरी रात ताश के पत्तों पर हार-जीत का दाव लगा रहे हैं। बावजूद इसके नाल वसूली के इस खेल पर स्थानीय पुलिस संज्ञान लेने कि जहमत नही उठा रहा है।

सट्टा कारोबारी कि तो बात ही निराली- नगर में संचालित सट्टा कारोबार पर भी यदी दृष्टि डाला जाऐ तो आलम यह है कि नगर के सट्टा माफियाओं ने भिन्न-भिन्न स्थानों के चौक-चौराहों से लेकर गली-गलियारों तक गुर्गे बैठाकर, खुलेआम पर्ची कटवाया जा रहा है। वहीं कयी स्थानों पर प्रधानमंत्री के डिजिटल इण्डिया कि आधुनिकता को अपनाकर सट्टा माफिया गुर्गों कि मदद से मोबाईल पर ही एक के अस्सी का दाव लगवा रहा है। जिनमें बिजुरी, लोहसरा, भवनिहाटोला, कपिलधारा, माईनस कालोनी और डबल स्टोरी आदी स्थानों पर गुर्गों को बैठाकर, सटोरियों द्वारा खुलेआम समाजिक बुराई के प्रतीक सट्टा कारोबार को संचालित कर, क्षेत्र कि कानून-व्यवस्था का मखौल उड़ा रहा है।

कबाड़ी भी नही रहे किसी मामले में पीछे- थानाक्षेत्र में भिन्न-भिन्न अवैध कारोबार जब अपने चर्मोत्कर्ष पर हैं तो भला स्थानीय कबाड़ी अपने कारनामों को अंजाम देनें में चूक कैसे कर सकते हैं। लिहाजा इन कबाड़ियों ने क्षेत्र कि बंद पड़ी खदानों के कीमती लौह कलपुर्जों पर हाथ साफ करने के बाद, अब बिजली के खम्बे आदी को भी निशाना बनाना प्रारंभ कर दिया है। सोमना कालरी मार्ग पर स्थित कालरी के जितने भी लौह निर्मित खम्बे कालरी प्रशासन द्वारा लगवाया गया था। वह खम्बे इन दिनों कबाड़ माफिया के आय का स्त्रोत बना हुआ है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए भारत सरकार द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी अरविंद कुमार ने तैयारियों की समीक्षा की

धार। शासन के निर्देशानुसार केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी आम जन को पहुंचाने तथा इन योजनाओं से पात्र अंतिम व्यक्ति को लाभान्वित करने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन 16 दिसंबर से 26 जनवरी 2024 तक जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाना है। यह जानकारी देते हुए भारत सरकार द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी अरविंद कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में यात्रा के तैयारियों की नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की तथा जिले में अब तक की गई तैयारियों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य स्पष्ट है। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोग भाग लें तथा उन्हें लाभ भी मिले। यह जवाबदारी संबंधित योजनाओं के नोडल अधिकारियों की है ।

बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रृंगार श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बैठक में बताया कि यात्रा के माध्यम से भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देने के लिए शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जा रहे है। इसके साथ ही पात्रता अनुसार हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित भी किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में सांस्कृतिक गतिविधियां मेरी कहानी, मेरी जुबानी के माध्यम से हितग्राहियों के द्वारा अनुभव साझा किए जा रहे है। साथ ही शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रूटचार्ट का निर्धारण कर यात्रा संचालन की योजना पर अमल किया गया

म.प्र. के कोतमा विधानसभा चुनाव 2023 में
मा.दिलीप जायसवाल जी
आप को शानदार विजय की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
हम आपके यशस्वी कार्यकाल की कामना करते है।

एजेंसी देनी
शासन प्रशासन एवं जन-जन की आवाज बनकर प्राथमिकता से खबरों में आपके के बीच 15 वर्षो से लगातार अग्रसर

क्षेत्र में एजेंसी देनी है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715